मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 142
गुरुवार, 04 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

बीजापुर में सुरक्षाबलों का बड़ा वार, 6 माओवादी मारे गए, 2 वीर जवान शहीद

बीजापुर, 03 दिसम्बर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को हुई मुठभेड़ में कम से कम छह नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के दो जवान शहीद हो गए। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-बीजापुर सीमा के पास वन्य गंगालूर क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान मुठभेड़ हुई। इस साल 268 नक्सली मारे गए हैं।

जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और कोबरा (सीआरपीएफ की एक विशिष्ट इकाई, कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) की एक संयुक्त टीम इस अभियान को अंजाम दे रही थी। दंतेवाड़ा के डीआईजी कमलोचन कश्यप ने बताया कि पिछले दो घंटों से मुठभेड़ जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक छह माओवादी मारे गए हैं और उनके शव बरामद कर लिए गए हैं। मुठभेड़ में डीआरजी के दो जवान भी शहीद हुए हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। मुठभेड़ अभी भी जारी है और जवानों ने बड़ी संख्या में नक्सलियों को घेर लिया है। इस नवीनतम कार्रवाई के साथ, इस वर्ष अब तक छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ों में 268 नक्सली मारे जा चुके हैं। इनमें से 239 बस्तर संभाग में, जिसमें बीजापुर और दंतेवाड़ा सहित सात जिले शामिल हैं, मारे गए, जबकि 27 अन्य रायपुर संभाग के गरियाबंद जिले में मारे गए। दुर्ग संभाग के मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में दो नक्सली मारे गए। इससे पहले 30 नवंबर को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में कुल 37 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें से 27 पर कुल 65 लाख रुपये का इनाम था। छत्तीसगढ़ के पुलिस अधीक्षक गौरव राय ने बताया था कि यह आत्मसमर्पण पूना मार्गेम पहल के तहत वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने हुआ, जो पुनर्वास और सामाजिक पुनर्मिलन का समर्थन करती है। समूह में 12 महिलाएँ भी शामिल थीं, जो इस योजना के समावेशी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं।

मोदी सरकार बहुजनों से कर रही विश्वासघात: राहुल गांधी

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति जनगणना के संबंध में संसद में कोई रूपरेखा या चर्चा न होने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुजनों के साथ विश्वासघात किया है। राहुल गांधी ने संसद में उनसे पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर साझा किया और आरोप लगाया कि केंद्र जाति जनगणना कराने की कोई इच्छा नहीं रखता है।

गांधी ने पर पोस्ट किया कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना के बारे में एक प्रश्न पूछा - उनका जवाब चौंकाने वाला है। कोई ठोस रूपरेखा नहीं, कोई समयबद्ध योजना नहीं, संसद में कोई चर्चा नहीं और जनता से कोई संवाद नहीं। अन्य राज्यों में सफल जाति जनगणना की रणनीतियों से सीखने की भी कोई इच्छा नहीं है। जाति जनगणना पर मोदी सरकार का यह रुख देश के बहुजनों के साथ विश्वासघात है। राहुल गांधी ने दशवार्षिक जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक चरणों का विवरण और संभावित समय-सीमा, जिसमें प्रश्न तैयार करना और समय-सारिणी शामिल है, के बारे में पूछा है;

क्या सरकार जनगणना के प्रश्नों का मसौदा प्रकाशित करने और इन प्रश्नों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेने का प्रस्ताव रखती है; और क्या सरकार विभिन्न राज्यों में किए गए जाति सर्वेक्षणों सहित पिछले अनुभवों पर विचार कर रही है, और यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है? जाति जनगणना पर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में, केंद्र ने उत्तर दिया कि अगली जनगणना पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखेगी और संबंधित हितधारकों से सुझाव मांगेगी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के उत्तर में कहा गया है, ₹जनगणना का इतिहास 150 वर्षों से अधिक पुराना है। अगली जनगणना पिछली जनगणनाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखेगी। प्रत्येक जनगणना से पहले, संबंधित हितधारकों से सुझाव भी मांगे जाते हैं।

डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने का माध्यम है संचार साथी: सिंधिया

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। आज बुधवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संचार साथी ऐप की उपयोगिता, स्वैच्छिकता और नागरिक-सुरक्षा के महत्व पर विस्तार से जवाब दिया। बिना रजिस्ट्रेशन यह ऐप सक्रिय नहीं होता और हर नागरिक को इसका उपयोग न करने या कभी भी डिलीट करने का पूर्ण अधिकार है। विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे भ्रमों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि संचार साथी न केवल भारत की डिजिटल सुरक्षा का आधार है, बल्कि यह जनभागीदारी से संचालित एक ऐसा सुरक्षा प्लेटफॉर्म है जो हर नागरिक को स्वयं अपनी मोबाइल पहचान सुरक्षित रखने का अधिकार देता है।केन्द्रीय मंत्री ने संसद के पटल पर स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में अंतिम अधिकार नागरिक का है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनता के सुझावों और फीडबैक पर विभाग

इसके नियमों में संशोधित करने के लिए तत्पर है क्योंकि इस पहल का लक्ष्य केवल भारत के प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता की सुरक्षा करना है। इसके लिए संचार साथी को जन-जन तक उपलब्ध किया जा रहा है और फीडबैक अनुसार ऐप और इसके नियमों में बदलाव किए जाने को विभाग तैयार है।सिंधिया ने बताया कि संचार साथी पोर्टल और ऐप को भारत सरकार ने तकनीक दी है, लेकिन इसकी सफलता का असली श्रेय जनता को है। उन्होंने कहा कि यह देश का पहला ऐसा मंच है जिसने नागरिकों को सीधे फर्जी मोबाइल कनेक्शन, चोरी हुए फोन, फ्रॉड आईएमईआई और साइबर धोखाधड़ी के विरुद्ध कार्रवाई में भागीदार बनाया है।उन्होंने सदन को बताया कि देशभर में संचार साथी पोर्टल को 20 करोड़ से अधिक विजिट्स मिले हैं। संचार साथी ऐप को 1.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड किया गया है। सिंधिया ने जोर देकर कहा कि संचार साथी ऐप स्वतः सक्रिय नहीं होता। ऐप तभी काम करता है जब तक यूजर स्वयं इसे खोलें, स्वैच्छिक रूप से रजिस्ट्रेशन करें और इसे उपयोग करना चाहें। उन्होंने कहा, जैसे आपके फोन में सैकड़ों ऐप होते हैं, उसी प्रकार संचार साथी भी एक विकल्प है। नागरिक इसे उपयोग करना चाहें तो करें, न करना चाहें तो कभी भी अन-इंस्टॉल कर सकते हैं।

19 वर्षीय देवव्रत का दंडक्रम पारायण, सीएम योगी ने किया सम्मानित

50 दिन तक अखंड 2000 वैदिक मंत्रों के पारायण से काशी बनी विश्ववैदिक साधना का केंद्र : योगी

सुरेश गांधी

वाराणसी. नमो घाट पर मंगलवार को काशी तमिल संगमम के शुभारंभ अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 19 वर्षीय वेदमूर्ति देवव्रत महेश रेखे को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। वैदिक साधना की जिस असाधारण उपलब्धि ने सार्थक चर्चा पैदा की है, उसमें देवव्रत ने शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनि शाखा के लगभग 2000 मंत्रों से युक्त दंडक्रम पारायणम्-को बिना किसी अवरोध के लगातार 50 दिनों में पूर्ण किया है।

बता दें, पूरी दुनिया में अब तक केवल दो बार दंडक्रम पारायण हुआ है। पहली बार लगभग 200 वर्ष पूर्व नासिक में वेदमूर्ति नारायण शास्त्री देव ने इसे सम्पन्न किया था। दूसरी बार यह दुर्लभ और अत्यंत कठिन वैदिक साधना आज के समय में काशी में देवव्रत रेखे द्वारा सम्पन्न की गई। उन्होंने यह तप 2 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक वल्लभराम शालिग्राम सांगेद विद्यालय, रामघाट में किया, जिसकी पूणार्हुति पिछले शनिवार को आयोजित हुई। युवक की विलक्षण साधना और अद्भुत अनुशासन को देखते हुए श्रृंगेरी शंकराचार्य के आशीर्वाद स्वरूप उन्हें सोने का कंगन और 1,01,116 की धनराशि प्रदान की गई।

अतिदुर्लभ है दंडक्रम पारायण? शुक्ल यजुर्वेद की माध्यंदिनि शाखा के मंत्रों को दंडक्रम में गाया जाना वेदपाठ की सबसे कठिन विधा मानी जाती है। वेदपाठ की आठ विधाओं में से यह वह प्रकार है जिसमें, मंत्रों को जटिल स्वरद्दक्रम और विशिष्ट ध्वन्यात्मक शैली में उच्चारित किया जाता है, शब्दों को आगेद्दपीछे, उलटद्दपलट कर, लयात्मक क्रम से पढ़ा जाता है, त्रुटिहीनता अनिवार्य होती है, और उच्चारण में जरा सा भी विचलन पूरा क्रम बिगाड़ सकता है। इसीलिए दंडक्रम पारायण को वैदिक पाठ का मुकुट कहा जाता है।

काशी बनी वैदिक पुनर्जागरण की धुरी देवव्रत की इस दिव्य साधना ने काशी को एक बार फिर भारतीय वैदिक परंपरा के केंद्र में स्थापित कर दिया है। जहाँ एक ओर तमिल संगमम उत्तर - दक्षिण सांस्कृतिक एकता का संदेश दे रहा है, वहीं दूसरी ओर युवा देवव्रत जैसे साधक यह प्रमाणित कर रहे हैं कि भारत की वैदिक चेतना आज भी जीवंत है, प्राणवान है और अगली पीढ़ी में निरंतर प्रवाहित हो रही है। काशी में सम्पन्न यह अद्भुत दंडक्रम पारायण न केवल धर्मपरंपरा का गौरव है, बल्कि युवा भारत की आध्यात्मिक शक्ति का भी सशक्त प्रमाण है।

वाराणसी का समावेशन मॉडल चमका, सम्मान पाकर हिमांशु के खिले चेहरे

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी ने एक बार फिर सामाजिक उत्तरदायित्व और समावेशी विकास की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता का मजबूत संदेश दिया है। विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर जहां जिले के 299 दिव्यांगजन आधुनिक सहायक उपकरणों से सशक्त हुए, वहीं पूरे प्रदेश में वाराणसी ने तीन महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय पुरस्कार हासिल कर मिसाल पेश की। यह उपलब्धि बताती है कि काशी सिर्फ आध्यात्म, संस्कृति की धरोहर नहीं, बल्कि संवेदनशील प्रशासन और मानवीय सरोकारों की भी राजधानी बन चुकी है।

बता दें, लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी को तीन-तीन महत्वपूर्ण सम्मान देकर जिले की मेहनत को सराहा। पुरस्कार पाने वालों में, 1. हिमांशु नागपाल

(तत्कालीन सीडीओं, वर्तमान नगर आयुक्त), दिव्यांगजनों के लिए सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट 2. केशव जालान, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट एजेंसी, 3. किन्नी विरल देसाई (ब्लाइंड पीपुल्स एसोसिएशन इंडिया), सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता, ये तीनों सम्मान वाराणसी मॉडल की कहानी कहते हैं, जहाँ तकनीक, संवेदनशीलता, रोजगार और अवसर एक साथ मिलकर समावेशी समाज का रास्ता बनाते हैं। निस्संदेह, विश्व दिव्यांग दिवस पर काशी की यह उपलब्धियाँ पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा हैं। यह केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, प्रशासनिक इच्छाशक्ति और दिव्यांगजनों के प्रति सम्मानजनक दृष्टि का उज्ज्वल प्रतीक है। वाराणसी साबित कर रही है कि जब नीतियों में संवेदना और क्रियान्वयन में ईमानदारी हो, तो विकास के वास्तविक मायने हर चेहरे की मुस्कान में दिखते हैं. उधर, खुशीपुर स्थित अमरावती पुरुषोत्तम राजकीय बहुउद्देशीय दिव्यांग संस्थान एवं बचपन डे केयर सेंटर के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कैन्ट विधायक सौरभ श्रीवास्तव उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ आरंभ हुए इस गरिमामय आयोजन में कुल 299 सहायक उपकरणों का वितरण दिव्यांगजन सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बना। जिनमें, 24 कान की मशीन, 80 ट्राई साइकिल, 70 बैसाखी, 57 आई.डी. किट, 32 ब्रेल किट, 29 स्मार्ट केन, 04 व्हीलचेयर, 03 मोटराइज्ड ट्राई साइकिल शामिल रहीं। विधायक श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सरकार का उद्देश्य है, हर दिव्यांगजन तक सम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता का उजाला पहुँचाना। उनका वक्तव्य न केवल सरकारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, बल्कि जमीनी क्रियान्वयन की कार्यशैली को भी स्पष्ट करता है।

यूपी की जेलों की व्यवस्था में होगा बड़ा बदलाव, जातीय विभेद के प्रावधान होंगे खत्म

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल (प्रथम संशोधन), 2025 को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखने वाली है, जिसे भारतीय जेलों के अंदर जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश के अनुपालन में तैयार किया गया है। सरकार जेल मैनुअल से अंग्रेजों के समय से चले आ रहे उन प्रावधानों को खत्म करेगी जो जातीय विभेद पर आधारित है। कैबिनेट ने 'यूपी जेल मैनुअल (प्रथम संशोधन) 2025' पर सहमति दे दी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी पिछले साल यूपी सहित 10 राज्यों को ये संशोधन करने के निर्देश दिए थे।

पुतिन की भारत यात्राः नयी विश्व राजनीति की आहट

-ललित गर्ग

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा एक साधारण कूटनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि इतिहास के सात दशकों में बुनी एवं गढ़ी गई मित्रता का नवीन उद्घोष है। कहा जाता है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में स्थायी मित्र और शत्रु नहीं, स्थायी हित होते हैं, किंतु भारत-रूस संबंध इस कथन की परिधि से आगे जाकर स्थायी भरोसे, नैतिक दायित्व और पारस्परिक सम्मान के प्रतीक बने हुए हैं। यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका, यूरोप एवं नाटो गठबंधन रूस पर कठोर आर्थिक और रणनीतिक प्रतिबंध लगाए हुए हैं। इसके बावजूद भारत ने रूस को न केवल कूटनीतिक स्तर पर सम्मान-साथ दिया बल्कि ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में उसे सबसे भरोसेमंद साझेदार माना। इसलिए, यह वार्ता केवल दो नेताओं की मुलाकात नहीं, बल्कि एक नए युग के सूत्रपात का संकेत है, नयी विश्व राजनीतिक समीकरण की आहट है।

भारत और रूस की मित्रता का इतिहास लगभग 70 वर्षों का है। शीतयुद्ध काल में रूस (तत्कालीन सोवियत संघ) ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बांग्लादेश मुक्ति संग्राम से लेकर पोखरण परमाणु परीक्षणों तक, रूस ने भारत का साथ दिया। आज जब यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक राजनीति को

ध्रूवीकृत कर दिया है, अमेरिका ने भारत पर रूस से दूरी बनाने का दबाव बनाया, किंतु भारत ने सामरिक स्वायत्तता की नीति को बनाए रखते हुए रूस का साथ निभाया। पश्चिम के प्रतिबंधों के बीच भारत ने भारी मात्रा में रूसी पेट्रोलियम और गैस खरीदकर अपनी ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की तथा रूस को आर्थिक सहारा दिया। यह निर्णय महज एक वाणिज्यिक लाभ का मामला नहीं था, बल्कि भारतीय विदेश नीति की स्वयंभूता का प्रदर्शन था। दूसरी ओर, रूस ने भी भारत को कभी निराश नहीं किया। चाहे एस-400 वायु रक्षा प्रणाली हो, टी-90 टैंक हों, ब्रह्मोस मिसाइल परियोजना हो या पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान सुयू-57 से जुड़ा सहयोग, भारत की सैन्य क्षमता में रूस का योगदान निर्णायक रहा है। वहीं पाकिस्तान की शत्रुता के खिलाफ भारत के हितों को रूस का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता रहा। हाल ही में दक्षिण एशिया की बदलती सुरक्षा परिस्थितियों में रूस ने भारत की सामरिक चिंता को समझा और ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियानों में सहयोग की भूमिका निभाई। यह तथ्य भारत-रूस संबंधों की गहराई और विश्वास को दशार्ता है।

पुतिन और मोदी की वार्ता ऐसे समय आयोजित हो रही है, जब वैशिक शक्ति-संतुलन परिवर्तन के दौर में है। अमेरिका-चीन तनाव, यूक्रेन युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंध, ऊर्जा बाजारों की अस्थिरता और पश्चिमी देशों की रूस के विरुद्ध एकजुटता, इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका मध्यस्थ, संतुलक तथा स्वतंत्र धुरी के रूप में उभर रही है। पुतिन भारत को न केवल रक्षा सहयोगी मानते हैं, बल्कि एशियाई भू-राजनीति में संतुलन का स्तंभ भी। वहीं मोदी की विदेश नीति बहुध्रूवीय विश्व की अवधारणा पर आधारित है, जिसमें रूस का स्थान केंद्रीय है। इस यात्रा से ऊर्जा सहयोग और बढ़ेगा। भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है और रूस उसके लिए सस्ता, विश्वसनीय तथा दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता। प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने भारत को कच्चे तेल के साथ ही कोयला, गैस और परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में सहयोग दिया। भारत को सस्ती ऊर्जा देने के पीछे केवल व्यावसायिक हित नहीं बल्कि मित्रता और सामरिक साझेदारी भी निहित है। रक्षा क्षेत्र में सहयोग और विस्तृत होने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य मेक इन इंडिया रक्षा उत्पादन है और रूस इसके लिए सबसे बड़ा भागीदार बना हुआ है। ब्रह्मोस मिसाइल, राइफल निर्माण, स्पेयर पार्ट सप्लाई और संयुक्त विकास कार्यक्रमों के नए विकल्प वार्ता में उभरेंगे। रूस भारत को केवल उपभोक्ता नहीं, निमार्ता के रूप में स्थापित करने में सहभागी है, जो संबंधों की परिपक्वता को दशार्ता है।

भारत-रूस दोस्ती अब एक नया अध्याय लिखने को तत्पर है। दोनों देशों की दोस्ती किसी से छिपी नहीं है, यहां तक की अमेरिका के साथ बेहतर हुए संबंधों के दौर में भी रूस हमारा विश्वस्त साझीदार बना रहा है, प्रगाढ़ दोस्ती में कोई फर्क नहीं पड़ा है। अब रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से दोनों देशों की दोस्ती में नई गरमाहट की संभावना के साथ दोस्ती के नये स्वस्तिक उकेरने की बात सामने आ रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ अपने संबंधों को मजबूत किया है, लेकिन रूस के साथ देश के दशकों पुराने रक्षा संबंध भी बरकरार हैं। भारत ने अमेरिका और यूरोप से हथियारों की खरीद बढ़ाकर रूस पर निर्भरता को संतुलित बनाया है, लेकिन मॉस्को अभी भी भारत का सबसे बड़ा हथियार सप्लायर है। रूस दोस्ती की ओर आगे बढ़ते हुए भारत के लोगों को रोजगार देने के लिये भी एक समझौता मसौदा तैयार किया है। रूस अपने उद्योगों के लिए 10 लाख भारतीय कुशल श्रमिकों को काम पर रखना चाहता है। भारत-रूस संबंधों का सबसे मजबूत आधार है-कूटनीतिक विश्वास और सम्मान। रूस ने कभी भारतीय आंतरिक राजनीति या नीतिगत मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया। उसने कश्मीर, परमाणु नीति, रणनीतिक साझेदारी और पड़ोसी विवादों पर भारत की संप्रभुता का समर्थन किया। वहीं भारत ने भी रूस की सुरक्षा चिंताओं को समझाकृचाहे नाटो विस्तार का मुद्दा हो या यूक्रेन का संघर्ष। इसलिए भारत ने पश्चिमी दबावों की उपेक्षा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की। अंतरिक्ष विज्ञान, तकनीक, शिक्षा, अनुसंधान और चिकित्सा के क्षेत्र में भी रूस की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में रूस सहयोगी रहा है और भविष्य की यात्री-वाहक मिशनों में भी सहयोग की संभावनाएँ हैं। दोनों देशों की सांस्कृतिक साझेदारी भी विशेष हैरू योग, आयुर्वेद, साहित्य, रूसी नाट्यकला और भारतीय कलाकृसबने एक-दूसरे समाज में स्थान पाया। फिर भी यह संबंध चुनौतियों से खाली नहीं। चीन-रूस साझेदारी और भारत-अमेरिका निकटता के बीच संतुलन बनाए रखना दोनों देशों के लिए चुनौतीपूर्ण है। रूस चाहता है कि एशिया में भारत संतुलक भूमिका निभाए, वहीं भारत नहीं चाहता कि रूस का झुकाव चीन की ओर अत्यधिक बढ़े। इसी प्रकार रक्षा सहयोग में तकनीक हस्तांतरण, उत्पादन विलंब और आर्थिक भुगतान व्यवस्थाओं पर भी मतभेद रहे हैं। किंतु इन मतभेदों को वार्ता द्वारा समाधान के प्रयास दोनों राष्ट्रों की परिपक्वता को दशार्ते हैं।

पुतिन की इस यात्रा का महत्व इसलिए भी है कि यह बताती है कि भारत किसी वैश्विक शक्ति के दबाव में नहीं, बल्कि अपनी प्राथमिकताओं के आधार पर संबंध तय करता है। ऊर्जा सुरक्षा, रक्षा आत्मनिर्भरता, बहुध्रूवीय वैश्विक व्यवस्था और एशियाई सामरिक संतुलन की दृष्टि से भारत-रूस साझेदारी अपरिहार्य है। मोदी और पुतिन की मुलाकात इस विश्वास की प्रमाणिकता है कि संबंध केवल शीत युद्ध की स्मृतियों पर नहीं, बल्कि समकालीन हितों और भविष्य की रणनीति पर आधारित हैं। यह यात्रा एक प्रतीक है-स्वतंत्र विदेश नीति, सामरिक साझेदारी और सांस्कृतिक सम्मान की। भारत-रूस संबंध केवल दो राष्ट्रों की निकटता का परिचय नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में एक विशिष्ट वैकल्पिक शक्ति संरचना का निर्माण है। पश्चिमी देशों की आलोचना और प्रतिबंधों के बावजूद भारत और रूस ने अपने संबंधों को न केवल जीवित रखा बल्कि सुदृढ़ किया। इस मुलाकात से भारत की ऊर्जा सुरक्षा को नई गति मिलेगी, रक्षा उत्पादन को स्वदेशीकरण का बल मिलेगा, व्यापार एवं तकनीकी सहयोग विस्तृत होगा और रणनीतिक विश्वास की डोर और मजबूत होगी। पुतिन और मोदी की यह वार्ता बताती है कि भूराजनीति केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि भरोसे और सहयोग पर भी टिकती है। अतः कहा जा सकता है कि पुतिन की भारत यात्रा एक नई ऊर्जा, नए दृष्टिकोण और नई साझेदारियों की शुरूआत है-जहाँ भारत और रूस न केवल मित्र हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर संतुलित, स्वाधीन और बहुध्रूवीय विश्व व्यवस्था के निमार्ता भी हैं। यह यात्रा उसी निर्माण का नवीन अध्याय है, जिसमें पुराने भरोसे से जन्म ले रहा है एक नया भविष्य।

काशी तमिल संगमम 4.0: संस्कृति के संगम में सियासत की नई धारा

-सुरेश गांधी

वाराणसी की दिसंबर की ठंड में गंगा किनारे के अस्सी, दशाश्वमेध, केदार और पंचगंगा घाटों पर एक अनोखी गर्माहट तैरती दिखाई देती है। यह गर्माहट बस सर्दी को मात देने वाली धूप की नहीं, बल्कि उन हजारों तमिल भाइयों-बहनों की थी, जो दूर दक्षिण से उमंग और उत्साह का संदेश लेकर काशी पहुंचे थे। नादस्वरम की गूँज और शहनाई की सुर-लहरियाँ आपस में गुथकर एक ऐसा संगीत रचतीं, जिसे देखकर लगता है, मानो स्वयं भारत अपने दोनों पंखों को फैलाकर उड़ने को तैयार हो। काशी तमिल संगमम् 4.0 केवल एक सांस्कृतिक महोत्सव नहीं; यह एक भावनात्मक पुनर्संयक, ऐतिहासिक पुनरुत्थान, राजनीतिक संदेश और सामाजिक समरसता का विराट अभियान है। इस बार का संस्करण कई मायनों में पहले से कहीं अधिक व्यापक, प्रभावी और दूरगामी है। यह आयोजन बताता है कि जब वाराणसी और तमिल सभ्यता जैसी दो प्राचीन नदियाँ मिलती हैं, तो भारत की आत्मा किस तरह नए सिरे से जाग उठती है। मतलब साफ है वाराणसी, जिसे बाबा विश्वनाथ की नगरी कहा जाता है, इन दिनों सिर्फ धर्म और अध्यात्म का केंद्र नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक कूटनीति का सबसे बड़ा प्रयोगशाला बन गया है। काशी तमिल संगमम् 4.0 का भव्य शुभारंभ नमो घाट पर उस समय हुआ, जब गंगा के किनारे शंख-ध्वनि, तिरुपुर के नादस्वर, बनारस घराने की तानें, तमिलनाडु के लोकनृत्य और पूर्वांचल-अवध की परंपराएं एक ही फ्रेम में सजी दिखाई दीं। लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती... यह आयोजन केवल संस्कृति नहीं है। यह राजनीतिक प्रतीकवाद भी है। यह भाजपा की दक्षिण विस्तार रणनीति का केंद्रीय स्तंभ भी है। यह मोदी योगी मॉडल का एक संयुक्त सांस्कृतिक परीक्षण भी है। और यह उत्तर - दक्षिण की वैचारिक दूरी को पाटने का एक योजनाबद्ध सांस्कृतिक सेतु भी है। काशी तमिल संगमम् ऐसे समय में आयोजित हो रहा है, जब केंद्र सरकार दक्षिण भारत, विशेषतः तमिलनाडु में अपने राजनीतिक विस्तार की सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रही है। ऐसे में काशी का यह मंच भाजपा के लिए सिर्फ सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि सियासत का सौम्य चेहरा, कनेक्टिव पॉलिटिक्स, सॉफ्ट हिंदुत्व और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का संयोजन बनकर सामने आता है।

हमें यह भूलना नहीं चाहिए कि तमिल सभ्यता और काशी के संबंध किसी आधुनिक सरकारी कार्यक्रम की देन नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की तीर्थ परंपरा और दार्शनिक यात्राओं की विरासत हैं। तमिल संतों, थिरुवल्लुवर, महाकवि सुब्रह्मण्य भारती, अप्पर, अय्यंगार के लेखन में काशी को कासी के रूप में मोक्षपुरी कहा गया है। तमिलनाडु के विशाल समुदाय ने काशी को अपना आत्मिक तीर्थ माना है। तिरुप्पन संबंदर, सुंदर मूर्ति नायनार और मणिकवाचकर, सभी ने काशी आने और यहां तप करने का वर्णन अपने ग्रंथों में किया है। तमिल संत परंपरा का प्रभाव काशी में अद्वैत वेदांत के उदय तक दिखाई देता है। आदिशंकराचार्य स्वयं काशी में दीक्षा और शैव-संवाद का अनुभव लेकर दक्षिण लौटे थे। मध्यकाल में तमिल व्यापारी और साधक काशी में टिकते थे, यहाँ से संस्कृत ज्ञान लेकर अपने प्रदेश में ले जाते थे। तमिल भाषा में काशी की महिमा पर अनेक श्रेष्ठ रचनाएँ मिलती हैं। आज का केटीएस उसी हजारों वर्षों की निरंतर नदी को आधुनिक पुल दे रहा है, यही इसकी वास्तविक गहराई है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा आरंभ किया गया काशी-तमिल संगमम सिर्फ सांस्कृतिक उत्सव भर नहीं, बल्कि इतिहास के पन्नों से उठाया गया एक जीवंत संवाद है। इस संवाद की चार बड़ी परतेंः 1. आध्यात्मिक स्मृतिः दो प्राचीन सभ्यताओं का मस्तिष्कीय जुड़ाव, 2. सांस्कृतिक धरोहरः नृत्य, संगीत, ग्रंथ, परंपराए, 3. ज्ञान परंपराः शैक्षिक संस्थानों का आदान - प्रदान, 4. राष्ट्रीय - सांस्कृतिक पुनर्स्थापनाः एक भारत - श्रेष्ठ भारत का जमीनी मॉडल. नमो घाट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन भाषण में काशी की सार्वभौमिकता को रेखांकित करते हुए कहा, काशी वह नगरी है जो कभी तमिलों के लिए अपरिचित नहीं रही। काशी और तमिलनाडु एक दूसरे की संस्कृति को सदियों से पोषित करते रहे हैं। योगी का यह बयान केवल सांस्कृतिक नहीं था। दरअसल, योगी सरकार उत्तर भारतीय विमर्श को दक्षिण भारत से जोड़ने का राजनीतिक सेतु बन रही है। संगमम् के माध्यम से यूपी एक ओर काशी को राष्ट्रीय सांस्कृतिक राजधानी बनाने में लगे हैं, तो दूसरी ओर भाजपा दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु में अपनी जड़ें मजबूत करने की जमीन तैयार कर रहे हैं।

जब गंगा के तट पर तमिल कलाकारों ने थिरुकुरल की पंक्तियों पर नृत्य किया और साथ ही बनारस के कलाकारों ने हर हर महादेव का घोष किया, तो यह दृश्य सिर्फ सांस्कृतिक नहीं था, यह सांस्कृतिक - राजनीतिक एकीकृत फ्रेम था। नमो घाट का दृश्य कुछ ऐसा था, अस्सी से लेकर दशाश्वमेध तक सुरक्षा व्यवस्था चाक-चैबंद, घाटों पर तमिल भाषा में स्वागत बैनर, पतित पावनी गंगा पर तिरुप्पुगुंनर के स्तोत्रों की गूंज, बनारसी और तमिल व्यंजनों की संयुक्त झांकी, तमिल - ब्रह्मण परिवारों के समूह, काशीवासी पंडितों से संवाद, स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक झांकियां, आईआईटी बीएचयू छात्रों द्वारा तकनीकी, सांस्कृतिक प्रेजेंटेशन, यह दृश्य दर्शाता है कि संगमम अब केवल एक सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्मरण बन चुका है। तमिलनाडु में भाजपा अभी भी शहरी सीमाओं में सिमटी है। इस बार का आयोजन गति, दायरे और संदेश, तीनों ही स्तरों पर पहले से कहीं अधिक परिपक्व और प्रभावी है। 1. तमिल सीखेंः तमील करपोम का राष्ट्रीय विस्तारः इस बार आयोजन का मुख्य केंद्र भाषा-आदान प्रदान है। आईआईटी बीएचयू, आईआईटी मद्रास और बीएचयू मिलकर उत्तर भारत में तमिल सीखने के नए कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। सांस्कृतिक प्रदर्शनी के जरिए देसी तमिल और काशी की नृसंसृति का मेल, नादस्वरम - तविल की संगति, भरतनाट्यम के मंचन, तमिल हस्तशिल्प की प्रदर्शनी, संगम साहित्य पर विचार गोष्ठियां, काशी ने पहली बार तमिल कला का ऐसा जीवंत रूप देखा। ऐसे में सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से लोगों के दिलों में प्रवेश की रणनीति भाजपा की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। इस आयोजन से भाजपा को पाँच बड़े लाभः

1. तमिल हिन्दू भावनाओं में कनेक्टिव प्लग-इनः तमिल समुदाय धार्मिक - सांस्कृतिक आधार पर काशी से जुड़ाव महसूस करता है। यह जुड़ाव भाजपा को तमिलनाडु में `साफ्ट कलचरल इंट्री प्वाइंट देता है।

2. द्रविड़ राजनीति के विरोधाभासों को चुनौतीः द्रविड़ दल अक्सर उत्तर भारत और हिंदी - हिंदू प्रतीकवाद के प्रति नकारात्मक रवैया रखते हैं। संगमम् इस मिथक को तोड़ता है कि उत्तर भारतीय संस्कृति तमिल संस्कृति पर थोप रही है।

3. मोदी की दक्षिण स्वीकृति में वृद्धिः प्रधानमंत्री हमेशा से दक्षिण भारतीय भाषाओं और परंपराओं का सम्मान दिखाते रहे हैं। यह आयोजन उनकी राष्ट्रीय सांस्कृतिक नेतृत्व की छवि को और मजबूत करता है।

4. शिक्षा और अनुसंधान में उत्तर - दक्षिण एकताः आईआईटी मद्रास, आईआईटी बीएचयू, बीएचयू संस्कृत संकाय, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, इन सभी के बीच नया शैक्षिक नेटवर्क भाजपा के ज्ञान आधारित राष्ट्रवाद को बढ़ावा देता है। 5. 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव और 2029 लोकसभा चुनाव की पृष्ठभूमि निमार्णः भाजपा दक्षिण में अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए सांस्कृतिकद्दसामुदायिक आधार तैयार कर रही है। काशी तमिल संगमम् इसका प्रभावी उपकरण साबित हो रहा है।

गंगा किनारे बसे काशी में जब नमो घाट पर तमिलनाडु के नादस्वर की धुन और बनारस घराने की तान एक साथ गूंजी, तो यह केवल एक सांस्कृतिक आयोजन का दृश्य नहीं था, यह भारत की हजारों वर्षों पुरानी आत्मा का पुनर्जागरण था। काशी तमिल संगमम् 4.0 ने उत्तर और दक्षिण के बीच सांस्कृतिक दूरी को मिटाते हुए यह साबित किया कि भारतीयता किसी भूगोल की देन नहीं, बल्कि साझा परंपराओं का अनंत प्रवाह है। इस बार का संगम सिर्फ आध्यात्मिक संवाद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सांस्कृतिक - राजनीतिक रणनीति का भी अहम पड़ाव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सांस्कृतिक पुनर्जागरण नीति के संयुक्त प्रभाव ने इस आयोजन को केवल पर्यटन या कला का मंच नहीं रहने दिया, बल्कि इसे एक भारत - श्रेष्ठ भारत की जीवंत प्रयोगशाला बना दिया है। तमिलनाडु से आए हजारों प्रतिनिधियों ने काशी में जिस अपनत्व और आध्यात्मिक एकात्मता को महसूस किया, वह भाजपा के लिए दक्षिण भारत में सांस्कृतिक आधार तैयार करने का अवसर भी बन गया है। काशी से उठी यह सांस्कृतिक धारा अब राजनीतिक भूगोल भी बदलने की क्षमता रखती है

भारत की सबसे बड़ी चुनौती सांस्कृतिक बहुलता में एकता को बनाए रखना है। देश में अक्सर उत्तर बनाम दक्षिण की बहसें उठती रही हैं। भाषा, राजनीति, संस्कृति, हर स्तर पर टकराव की एक रेखा खिंचती रही है। लेकिन काशी तमिल संगमम् इस रेखा को मिटाकर संस्कृतियों के सह-अस्तित्व का जीवंत मॉडल बनाता है। एकता के छह प्रमुख स्तंभः 1. भाषाई सम्मानः हिंदी - तमिल द्वैध के बीच सांस्कृतिक संवाद। 2. धार्मिक एकताः काशी विश्वनाथ से लेकर रामेश्वरम तक की दिव्य सांस्कृतिक श्रृंखला। 3. शिक्षण - अनुसंधान सेतु आईआईटी बीएचयू, बीएचयू, आईआईएम राज्य विश्वविद्यालयों द्वारा संयुक्त कार्यक्रम। 4. परिवारिक और सामाजिक जुड़ावः तमिल परिवारों का काशी में स्वागत, विवाह, पर्यटन मॉडल। 5. पर्यटन और अर्थव्यवस्थाः धर्म - पर्यटन को राष्ट्रीय पर्यटन मॉडल बनाना। 6. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की नई परिभाषाः भारतीयता को महिलाओं, युवाओं और आर्टिजन समुदायों से जोड़ना। पिछले तीन संगमम् की तुलना में 4.0 की प्रभावशीलता अधिक मानी जा रही है। मुख्य उपलब्धियाँः तमिलनाडु के 2100 से अधिक प्रतिनिधि काशी पहुंचेंगे. 200 से ज्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिक्षा, कला, अध्यात्म पर 48 विशेष सत्र, आईआईटी और बीएचयू के संयुक्त रिसर्च एमओयू, पर्यटन में अनुमानित 30 से 35 फीसदी वृद्धि, बनारस के हस्तशिल्प की करोड़ों की बिक्री. ये आंकड़े साबित करते हैं कि यह आयोजन केवल सांस्कृतिक नहीं, बल्कि आर्थिक - सामाजिक उत्थान का भी सेतु बन चुका है।

प्रधानमंत्री मोदी की काशी मॉडल और मुख्यमंत्री योगी की धार्मिक - सांस्कृतिक पुनर्जागरण नीति अब मिलकर काशी को राष्ट्रीय सांस्कृतिक राजधानी बना रही है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, नमो घाट, गलियों का पुनर्स्थापन, हेरिटेज वॉक, स्मार्ट सिटी, गंगा फ्रंट, ये सब मिलकर काशी को 21वीं सदी की सांस्कृतिक धुरी बना रहे हैं। काशी तमिल संगमम इसी धुरी का सबसे चमकीला आयोजन है। यह अलग बात है कि कुछ विपक्षी दल इसे भाजपा का सांस्कृतिक राजनीतिकरण बताते हैं। कुछ इसे राजनीतिक तमाशा कहते हैं। लेकिन यह आलोचना इसलिए कमजोर पड़ जाती है क्योंकिः तमिल समाज स्वयं इसे स्वीकार कर रहा है. आयोजन में कला, शिक्षा, अध्यात्म, पर्यटन, सबका प्रतिनिधित्व है. यह आयोजन गैर, राजनीतिक समुदायों पर आधारित है. वैसे भी काशी और तमिलनाडु का रिश्ता ऐतिहासिक है, नया नहीं. इसलिए आलोचना प्रभावी राजनीतिक विमर्श नहीं बन पा रही। मतलब साफ है काशी तमिल संगमम् 4.0 ने यह साबित किया है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो, तो संस्कृति किसी भी दूरी को पाट सकती है। यह आयोजन सिर्फ उत्तर और दक्षिण के बीच पुल नहीं बना रहा, बल्कि सांस्कृतिक आत्मविश्वास और राष्ट्रीय एकता का नया अध्याय भी लिख रहा है। गंगा के किनारे खड़े होकर जब तमिल मेहमानों ने कहा, कासी हमारी भी है, तो यह वाक्य किसी सांस्कृतिक संवाद का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय भावनाओं का घोष था।

काशी तमिल संगम 4.0 के साथ भारत एक बार फिर उसी दिशा में बढ़ रहा है, जहाँ संस्कृति राजनीति से ऊपर होती है, और संस्कृति ही राजनीति को मार्ग दिखाती है। तमिल प्रतिनिधियों ने कहा, हमें यहाँ भाषा की नहीं, अपनत्व की जरूरत थी। काशी ने वह दिया। उत्तर भारतीयों ने कहा, तमिल संस्कृति हमारे लिए अनजानी नहीं रही, लेकिन अब दिलों का रिश्ता बन गया। कई तमिल विद्यार्थियों ने कबूला कि उन्हें लगता था कि उत्तर भारत उनकी भाषा को सम्मान नहीं देता। लेकिन काशी के लोगों का स्वागत देख उनका दृष्टिकोण बदला। यह परिवर्तन किसी सरकारी आदेश से नहीं, बल्कि जन-भावनाओं से आया। कावेरि और गंगा दोनों केवल नदियाँ नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की धमनियाँ हैं। जब दोनों का जल एक साथ आचमन में उठता है, तो केवल भौगोलिक दूरी ही नहीं, मानसिक दूरी भी मिटती है। कहा जा सकता है यह आयोजन भारत को याद दिलाता है कि विविधता हमारी शक्ति है, भाषाएँ हमारी धरोहर हैं, संस्कृतियाँ हमारी आत्मा हैं, इनसे मिलकर ही भारत वह बनता है, जिसे दुनिया ॡआध्यात्मिक शक्तिॡ कहती है। यह आयोजन एक संदेश देता है, तमिल और हिंदी केवल भाषाएँ नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता के दो सशक्त स्तंभ हैं। देश में सांस्कृतिक संवाद ही राजनीतिक मतभेदों को पिघलाने की असली ताकत रखता है। भारतीयता की परिभाषा किसी एक भाषा या भूखंड से नहीं, बल्कि सभी क्षेत्रों की भागीदारी से आकार लेती है। काशी और तमिलनाडु का यह संगम, भारतीय सभ्यता को आने वाले दशकों तक दिशा देगा।

आत्महत्या करते विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन'

मतदाता सूची के संशोधन के लिए देश के कई राज्यों में चलाया जा रहा विवादित विशेष गहन संशोधन (रक्फ्र) इन दिनों काफी चर्चा में है। रक्फ्रको लेकर कथित तौर पर बरती जा रही अनियमिततायें तो चर्चा में हैं ही साथ ही इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के मामले भी सुर्खियों में हैं। अलग अलग रिपोर्ट्स के मुताबिक नवंबर-दिसंबर 2025 में कम से कम 12 से 20 बीएलओ ने आत्महत्या की है, जबकि आत्महत्या सहित हार्ट अटैक व स्ट्रोक आदि से 30 से अधिक बीएलओ की मृत्यु होने का समाचार है। आत्महत्या करने वाले कई बी एल ओ ने भले ही अपने सुसाईड नोट या आत्महत्या से पूर्व जारी अपने वी डी ओ सन्देश में स्पष्ट रूप से काम के भारी दबाव व तनाव की बात क्यों न की हो परन्तु चुनाव आयोग इन मौतों को रक्फ्रसे जोड़ने से इंकार करता है और इन्हें ₹अन्य प्रकार के मामले₹ बताता है। आयोग ने इन मौतों को लेकर कुछ विपक्षी दलों द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को ₹राजनीतिक₹ करार देते हुये कहा है कि ये मौतें रक्फ्रप्रक्रिया से सीधे जुड़ी नहीं हैं, और अधिकांश मामलों की जांच चल रही है।

बहरहाल रक्फ्रप्रक्रिया व इसी दौरान बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की आत्महत्याओं के सन्दर्भ में एक सबसे अहम बात यह है कि आत्महत्या करने वाले इन बूथ स्तरीय अधिकारियों में अधिकांशतः शिक्षक ही शामिल हैं ? बीएलओ आमतौर पर सरकारी स्कूल शिक्षक ही होते हैं, क्योंकि चुनाव आयोग सरकारी कर्मचारियों, खासकर शिक्षकों को ही इस भूमिका के लिए नियुक्त करता है। तो क्या राष्ट्र निर्माण की धुरी समझे जाने वाले शिक्षक समाज की नौबत अब यहाँ तक आ पहुंची है कि उन्हें आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ रहा है ? वह भी किसी गैर शिक्षण संबंधी कार्य का निर्वहन करते हुये? इन घटनाओं ने एक बार फिर यह बहस छेड़ दी है कि क्या देश के 'गुरुजनों' को ऐसी सरकारी ड्यूटी पर लगाना चाहिये जहाँ न केवल उन्हें तनावग्रस्त होना पड़े बल्कि उनकी ड्यूटी के दौरान बाधित होने वाले शिक्षण कार्यों से भी देश के छात्रों का भविष्य प्रभावित हो? भारत सरकार या चुनाव आयोग की नजरों में शिक्षक की अहमियत क्या है यह तो सरकार व चुनाव आयोग की उदासीनता से बखूबी समझा जा सकता है। परन्तु भारत रत्न ए पी जे अब्दुल कलाम की नजरों में शिक्षक का महत्व क्या है यह विभिन्न अवसरों पर उन्होंने बयान किया है। अब्दुल कलाम शिक्षकों को समाज का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ मानते थे। वे अक्सर कहते रहते थे कि ॡशिक्षक राष्ट्र-निमार्ता होते हैंॡ कलाम साहब कहते थे कि ॡशिक्षक वो नहीं जो छात्र के दिमाग में तथ्य ठूँसे, बल्कि एक अच्छा शिक्षक वो है जो छात्र के दिमाग में रचनात्मकता की लौ जलाए। शिक्षक का काम सिर्फ. पढ़ाना नहीं, बल्कि छात्रों के अंदर सपने जगाना और उन्हें पंख देना है।ॡ कलाम साहब का मानना था कि ॡअगर कोई देश भ्रष्टाचार-मुक्त और सुन्दर मन वाला समाज चाहता है, तो मुझे पूरा यक ीन है कि समाज के तीन सदस्य इसमें बड़ी भूमिका निभा सकते हैं झ माँ, पिता और गुरु।ॡ यहाँ तक कि शिलांग में अपने जीवन के अंतिम क्षणों में दिये गये अपने अंतिम भाषण में भी उन्होंने अपनी एक स्मृति का उल्लेख इन शब्दों में किया था - मुझे याद है मेरे शिक्षक ने कहा था झ अगर तुम अच्छे शिक्षक बनो, तो तुम्हारा छात्र तुम्हें पार कर जाएगा। मैंने यही किया और आज मेरा छात्र (वे क्क्ष्ट शिलांग के छात्रों की ओर इशारा कर रहे थे) मुझे पार कर जाएगा। यह शिक्षक का सबसे बड़ा इनाम है।ॡ कलाम साहब के लिए शिक्षक कोई नौकर नहीं, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा को गढ़ने वाले माली के समान है। वे मानते थे कि एक अच्छा शिक्षक पूरे देश के भविष्य को बदल सकता है। शायद यही वजह थी कि वे स्वयं को भारत रत्न,पूर्व राष्ट्रपति या मिसाईल मैन कहलवाना नहीं बल्कि प्रोफेसर कहलाना ज्यादा पसंद करते थे।

इस सन्दर्भ में हरियाणा सरकार के हाल ही में लिये गये उस फैसले की प्रशंसा करना जरूरी है जिसमें राज्य सरकार ने शिक्षकों को केवल शिक्षण कार्य और शिक्षण से जुड़ी गतिविधियों तक ही सीमित रखने का आदेश जारी किया है। यह फैसला शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 की धारा 27 के तहत लिया गया है जिसमें चुनाव ड्यूटी, सर्वे, डेटा एंट्री जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से शिक्षकों को मुक्त कर केवल स्कूलों में उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है। खबर तो यह है कि यह आदेश वार्षिक परीक्षाओं की तैयारी को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। परन्तु यदि हरियाणा सहित देश के सभी राज्य इस प्रकार के स्थाई आदेश जारी करें तो सम्भवतः चुनाव,रक्फ्रया जनगणना जैसे अन्य विभागों के काम के बोझ से दबकर आत्म हत्या किये जाने जैसी खबरों पर जरूर विराम लग सकेगा। परन्तु बड़े आश्चर्य की बात है कि 'गुरु ' को लेकर तरह तरह के उपदेश देने व उनके सम्मान का दिखावा करने वाली सरकारों ने आज गुरु को उस अंजाम तक पहुंचा दिया है जहां उन्हें आत्म हत्या करनी पड़ रही है ? आज क्यों नहीं याद आती सरकार को संत कबीर दास की वह वाणी जिसमें उन्होंने कहा था कि -'गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूं पांय। बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय।। अर्थात गुरू और गोबिंद (भगवान) एक साथ खड़े हों तो किसे प्रणाम करना चाहिए झ गुरू को अथवा गोबिन्द को? ऐसी स्थिति में गुरू के श्री चरणों में शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रूपी प्रसाद से गोविन्द का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। या फिर संत कबीर के ही यह वचन कि -गुरू बिन ज्ञान न उपजै, गुरू बिन मिलै न मोष। गुरू बिन लखै न सत्य को गुरू बिन मिटै न दोष।। अर्थात - हे सांसरिक प्राणियों। बिना गुरू के ज्ञान का मिलना असम्भव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बन्धनों मे जकड़ा रहता है जब तक कि गुरू की कृपा प्राप्त नहीं होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरू ही हैं। बिना गुरू के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नहीं होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरू की शरण में जाओ। गुरू ही सच्ची राह दिखाएंगे। परन्तु कितना दुःखद है कि गुरु पूर्णिमा व शिक्षक दिवस के अवसर पर गुरु सम्मान का दिखावा करने वाली आज की सरकारों के दौर में विश्व गुरु भारत के 'गुरुजन ' स्वयं आत्महत्या करते दिखाई दे रहे हैं ?

-निर्मल रानी

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मयार्दा'

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम ॡअसामान्यॡ है और ॡस्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहरॡ है।

हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों– थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रेन में शांति प्रयासों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि ॡदुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखताॡ। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन– समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकताॡ, को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी कूटनीतिक संवेदनशीलताॡ के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को नोट किया है।

देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल असामान्य ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मयार्दाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता– विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारतझरूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारतझरूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि यूरोपीय राजदूतों ने ऐसा लेख किसी और देश में क्यों नहीं लिखा? देखा जाये तो यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद राष्ट्रपति पुतिन कई देशों की यात्राएँ कर चुके हैं। मगर वहाँ तैनात यूरोपीय राजदूतों ने इस तरह का सार्वजनिक लेख कभी नहीं लिखा। इससे यह प्रश्न और गहरा हो जाता है कि भारत को ही क्यों चुना गया? इसका एक संभावित उत्तर भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और पश्चिमी देशों के रणनीतिक चिंतन में उसकी केंद्रीय भूमिका से जुड़ा है।

यूरोपीय देश भली-भाँति जानते

विवेक विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित हो, इस उद्देश्य से घाटकोपर के पार्कसाइट स्थित विवेक विद्यालय में आज शालेय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस प्रदर्शनी में पर्यावरण, सोलर ऊर्जा, प्रदूषण, वर्षा, शहरीकरण, कृषि आदि विषयों पर कुल 90 प्रकल्प प्रदर्शित किए गए। विद्यालय के बाल वैज्ञानिकों ने अपने प्रोजेक्ट की सविस्तार जानकारी दी तथा मान्यवरों एवं परीक्षकों द्वारा पूछे गए प्रश्नों के समाधानकारी उत्तर दिया. इस विज्ञान प्रदर्शनी में आर. आर. एज्युकेशन इंस्टीट्यूट के संचालक प्रभाकर भोईटे, मल्टीपर्पज टेक्निकल स्कूल के मुख्याध्यापक संतोष भारमळ, अग्रसेन विद्यालय के मुख्याध्यापक अशोक परदेशी, विद्यालय की सचिव विमल थोरात सहित क्षेत्र के नागरिक तथा विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी उपस्थित थे। सभी मान्यवरों ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट की सराहना की। विद्यालय के मुख्याध्यापक विवेक थोरात ने कहा कि विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि निर्माण करने हेतु आगे भी ऐसे उपक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। साथ ही इस विज्ञान प्रदर्शन को मिले पालकों के प्रतिसाद की प्रशंसा कर उनका आभार व्यक्त किया।

भिवंडी में मुंबई नासिक हाईवे पर चल रहे एक ट्रक में लगी आग

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के करीब मुंबई नासिक हाईवे पर चल रहे एक आयशर ट्रक में वडपे गांव की सीमा में अचानक आग लग गई । ट्रक सब्जियों के खाली प्लास्टिक के कैरेट लेकर कल्याण से मध्य प्रदेश जा रहा था । ट्रक में रखे प्लास्टिक के कैरेट में आग लगने से आग फैल गई। ट्रक में आग लगने की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों द्वारा जेसीबी की मदद से मिट्टी डालकर आग पर काबू पाया। आग में ट्रक का पिछला हिस्सा जल गया और अच्छी बात यह रही कि कोई जान का नुकसान नहीं हुआ, लेकिन आग लगने का कारण साफ नहीं है । इस घटना का वीडियो वायरल हो गया है।

भिवंडी मनपा द्वारा विश्व विकलांग दिवस के अवसर पर विकलांग कार्यालय व पोर्टल का किया गया उद्घाटन

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस के अवसर पर समाज कल्याण विभाग अंतर्गत दिव्यांग कार्यालय का उद्घाटन व दिव्यांग पोर्टल का शुभारंभ भिवंडी मनपा मुख्यालय में किया गया। बतादें कि मनपा प्रशासन भिवंडी शहर के दिव्यांगों की हर मुमकिन मदद करने के लिए सदैव तत्पर रहेगा वहीं मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने दिव्यांग नागरिकों से अपील की है कि वे मनपा द्वारा शुरू किए गए दिव्यांग पोर्टल पर अपनी जानकारी भरकर प्रशासन द्वारा मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठाएं। वे विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर भिवंडी नगर निगम मुख्यालय में समाज कल्याण विभाग के तहत दिव्यांग कार्यालय और दिव्यांग पोर्टल के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके, नयना ससाणे, उपायुक्त विक्रम दराडे, सहायक आयुक्त शैलेश दोंदे, दिव्यांग सेवा संस्था के अशोक भोईर, नरेश तरे आदि लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में मनपा में सेवारत दिव्यांग कर्मचारी और शहर के दिव्यांग संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए। आयुक्त ने आगे कहा कि दिव्यांग समाज का सबसे बड़ा हिस्सा हैं उन्हें हर तरह के बराबर मौके मिलने चाहिए और उनके लिये मदद का हाथ बढ़ाना चाहिए। उनके कार्यों में उचित मदद मिलनी चाहिए और सरकार के नियमों और मनपा द्वारा लिए गए फैसलों के मुताबिक दिव्यांगों को फायदे दिए जाएंगे। मनपा कमिश्नर ने यह भी बताया कि मनपा द्वारा शुरू किए गए दिव्यांग पोर्टल के जरिए दिव्यांग घर बैठे अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और अलग-अलग सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और योजनाओं की आनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने दिव्यांगों से इन सेवा का फायदा उठाने की अपील की है। इस अवसर पर मनपा में सेवारत बेहतरीन काम करने वाले दिव्यांग कर्मचारियों को खास लोगों ने सम्मानित किया गया। समाज कल्याण विभाग के प्रमुख मिलिंद पलसुले, समीर मुंढे, अमीन अंसारी, अमोल देसले की अगुवाई में विभाग के कर्मचारियों ने इस प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। कार्यक्रम का सूत्रसंचालन दिव्यांग कर्मचारी श्रीमती अलका मटाले ने किया।

काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स की ठाणे में एंट्री

ठाणे। काइनेटिक इंजीनियरिंग लिमिटेड की ईवी सहायक कंपनी काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड ने आज ठाणे जिले के उल्हासनगर में अपनी एक्सक्लूसिव 3एस (सेल्स, सर्विस, स्पेयर्स) डीलरशिप की शुरूआत की घोषणा की। यह लॉन्च पुणे में पहले डीलरशिप उद्घाटन के बाद, महाराष्ट्र में कंपनी के विस्तार की अगली कड़ी है। साथ ही, यह कदम भारत में टियर-2 और टियर-3 शहरों सहित मेट्रो के बाहर भी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को सुलभ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

यह शोरूम श्री हितेन झामनानी के स्वामित्व में, मीरा एनएक्स हॉस्पिटल के पास, कल्याण-अंबरनाथ रोड, उल्हासनगर-421003 में स्थित है और 825 वर्ग फुट में फैला है, जिसे प्रीमियम और इंटरएक्टिव ब्रांड अनुभव देने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। वहीं, बीके नंबर 825 के पास, संगम ट्रैवल्स के सामने, सेक्शन 17, उल्हासनगर-421003 में मौजूद काइनेटिक लैब सर्विस सेंटर प्रशिक्षित तकनीशियनों और ओरिजिनल पार्ट्स उपलब्धता के साथ पूरी आफ्टर-सेल्स सेवा प्रदान करेगा।

लॉन्च पर बोलते हुए, श्री अजिंक्य फिरोदिया, वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक, काइनेटिक वाट्स एंड वोल्ट्स लिमिटेड, ने कहा, महाराष्ट्र हमेशा से काइनेटिक की पहचान और विकास की कहानी का केंद्र रहा है। ठाणे के उल्हासनगर में डीलरशिप की शुरूआत, राज्य के हर हिस्से तक भरोसेमंद और भविष्य-तैयार ईवी समाधान पहुँचाने की हमारी दीर्घकालिक सोच को मजबूत करती है। हम ऐसे उत्पाद और सेवाएँ देना चाहते हैं, जो भरोसा, उपयोगिता, मजबूती और रोजमर्रा के मूल्य का प्रतीक बनें।

मीरा भायंदर की विकास यात्रा को मिली नई गति

◆एक सपनों का शहर बनकर उभरे, यही मेरा ध्येय है : मंत्री प्रताप सरनाईक

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर निवासियों के कई दशकों के इंतजार को पूर्ण विराम देते हुए, आधुनिक एसटी डिपो, पार्किंग प्लाजा और मार्केट यार्ड परियोजना का भव्य भूमिपूजन समारोह महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री तथा धाराशिव जिला पालक मंत्री और स्थानीय विधायक प्रताप इंदिराबाई बाबुराव सरनाईक की पहल और निरंतर (फॉलो-अप) के कारण भायंदर रेलवे स्टेशन पश्चिम में संपन्न हुआ। यह ऐतिहासिक क्षण शहर के नाम पर अंकित हो गया। भायंदर पश्चिम में बस डिपो की दयनीय स्थिति, जैसे ढहने की कगार पर थी छत, अस्वच्छ पानी, बैठने की जगह की कमी, कर्मचारियों की सुरक्षा का प्रश्न - इन सभी के कारण नागरिक और एसटी कर्मचारी कई कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के हस्तक्षेप से इस गंभीर स्थिति पर निर्णायक कार्रवाई हुई और नए डिपो की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी। मीरा भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र की लगभग ४० हजार मीटर जगह में से सी आरजेड (तटीय विनियमन क्षेत्र) के कारण केवल 7 हजार 400 मीटर पर निर्माण की अनुमति मिलने के बाद, नई अवधारणाओं का एक खाका तैयार किया गया। इस नए खाके के अनुसार, नई संरचना में आधुनिक तकनीक से लैस परिवहन विभाग कार्यालय, कर्मचारियों के

लिए विश्राम गृह और सुरक्षित सुविधाएं तथा यात्रियों के लिए विशाल प्रतीक्षालय (बस विहार जागा) उपलब्ध कराया जाएगा, जैसा कि मंत्री सरनाईक ने इस अवसर पर बताया। इसके अलावा, उन्होंने आरक्षित क्षेत्र के पास एक भव्य पार्किंग प्लाजा और एक भव्य मार्केट यार्ड बनाने की भी घोषणा की। स्थानीय व्यापारियों के लिए अपना मार्केट

पिछले कई वर्षों से भायंदर पश्चिम में खुली जगह पर बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी व्यवसाय करके रोजगार कर रहे हैं। अब उनके लिए आरक्षित जगह में एक विस्तृत मार्केट बनाया जाएगा, इसकी विशेष घोषणा मंत्री प्रताप सरनाईक ने की। यह महत्वपूर्ण निर्णय शहर के पारंपरिक व्यवसाय को एक नई साँस देगा। बहुमंजिला पार्किंग प्लाजा, यातायात को बड़ी राहत और भव्य मार्केट यार्ड से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई उड़ान।

मीरा भायंदर की बढ़ती आबादी और वाहनों के भार को ध्यान में रखते हुए, राज्य का पहला पीपीपी मॉडल पर बनने वाला बहुमंजिला पार्किंग प्लाजा यहां निर्मित होगा। साथ ही, मार्केट यार्ड के पास लगभग 100 दोपहिया और बेसमेंट में 70 चार पहिया वाहनों की पार्किंग सुविधा नागरिकों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। इससे शहर में यातायात और पार्किंग की समस्या पर तनाव काफी कम होगा। इसके अलावा, नया मार्केट यार्ड स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देगा, रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करेगा और शहर की अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकेगा। मंत्री प्रताप सरनाईक ने खुद आश्वासन दिया कि यह परियोजना मीरा-भाईंदर की आर्थिक प्रगति का नया चरण है।अब ठाणे-बोरिवली-मुंबई जाने की जरूरत नहीं।

मीरा-भाईंदर शहर के नागरिकों को अपने गाँव जाने और विभिन्न जिलों की यात्रा करने के लिए ठाणे, बोरिवली, मुंबई के बस डिपो पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन अब नए बनने वाले इस बस डिपो से यह समस्या भी दूर हो गई है। राज्य के कोने-कोने तक जाने वाली एसटी बसें अब इसी नए डिपो से चलेंगी। शहर के लाखों यात्रियों के लिए यह एक बड़ी राहत है।

श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट के प्रमुख अभिषेक वर्मा ने किया मार्गदर्शन

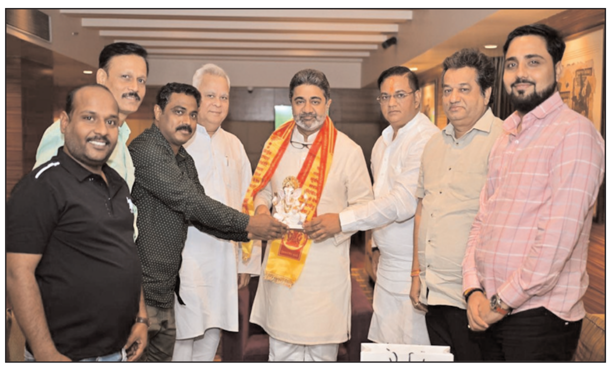

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट द्वारा आयोजित सभा में संगठन के प्रमुख अभिषेक वर्मा ने मार्गदर्शन किया। महाराष्ट्र के हर जिला में सामाजिक न्याय और विकास कार्य सभी को शामिल कर किया जाएगा। इस मौके पर राजेश शर्मा पूर्व उप महापौर, राघवेंद्र शुक्ला (मुख्य कॉर्डिनेटर) श्रीकृष्ण सांगले कॉर्डिनेटर, श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट (मुंबई), महेंद्र कुदाले , पंकज चतुर्वेदी, विनय देसाई के साथ और मान्यवर हाजिर थे ।इस मुलाकात के दौरान अभिषेक वर्मा ने आने वाले समय में श्रीकांत वर्मा ट्रस्ट के माध्यम से सामाजिक कार्य करने के निर्देश दिए साथ ही राजेश शर्मा ने भी श्रीकांत वर्मा के ट्रस्ट के माध्यम से आयोजित सामाजिक काम करने में सहायता करने का सुझाव दिया।

पालघर जिला परिषद के विकास अधिकारियों का कामबंद आंदोलन

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। मनरेगा में कथित अपहार प्रकरण के तहत आर्वी (जिला वर्धा) पंचायत समिति की गटविकास अधिकारी सुनीता मरसकोल्हे को बिना विधिक प्रक्रिया अपनाए गिरफ्तार किए जाने के विरोध में पालघर जिला परिषद के अधिकारी दो दिन की हड़ताल पर चले गए हैं। 4 और 5 दिसंबर को सभी वरिष्ठ अधिकारी, गटविकास अधिकारी एवं सहायक गटविकास अधिकारियों ने सामूहिक अवकाश की घोषणा की है।

अधिकारियों ने अपना डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (डी.एस.सी.) मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानाडे को जमा कर दिया है। उनका कहना है कि जब तक सरकार ठोस निर्णय नहीं लेती, हम डी.एस.सी. का इस्तेमाल कर कोई भी कार्य नहीं करेंगे। मरसकोल्हे की गिरफ्तारी में कानूनी

प्रक्रिया का उल्लंघन किए जाने का आरोप लगाते हुए अधिकारी वर्ग में भारी नाराजगी व्यक्त की गई है।

हड़ताल में शामिल अधिकारियों में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, जिला ग्रामीण विकास यंत्रणा की प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (साप्रवि) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (मनरेगा) अतुल पारसकर सहित सभी गटविकास अधिकारी और सहायक गटविकास अधिकारी शामिल हैं। महाराष्ट्र विकास सेवा राजपत्रित अधिकारी संघ के अनुसार डेटा एंट्री, मैपिंग व आधार लिंकिंग जैसे कार्य कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों द्वारा किए जाते हैं तथा अंत में केवल डी.एस.सी. हस्ताक्षर अधिकारी करते हैं। सिर्फ डी.एस.सी. के इस्तेमाल को आधार बनाकर अपराधी ठहराना सरासर अन्याय है, संघटना ने अपने निवेदन में कहा। इस आंदोलन के कारण घरकुल योजना, मनरेगा के कार्य, मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान की प्रक्रियाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है, क्योंकि डी.एस.सी. के जरिए होने वाली सभी ऑनलाइन प्रक्रियाएँ ठप हो गई हैं। अधिकारियों ने शासन के समक्ष निम्न मांगें रखी हैं– 1. अपहार प्रकरण में अपराध दर्ज करने से पहले विभागीय जांच अनिवार्य की जाए। 2. अधिकारियों पर कार्रवाई हेतु शासन की पूर्व अनुमति आवश्यक हो। 3. सुनीता मरसकोल्हे को तत्काल कानूनी व प्रशासनिक संरक्षण दिया जाए। 4. डी.एस.सी. उपयोग हेतु स्पष्ट मार्गदर्शक नियम व एस.ओ.पी. बनाया जाए। यदि 5 दिसंबर तक मांगों का समाधान नहीं किया गया, तो 6 दिसंबर से पूरे महाराष्ट्र में गटविकास अधिकारी बेमुदत कामबंद आंदोलन शुरू करेंगे, ऐसी चेतावनी संघटना की ओर से दी गई है।

संदेश विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्ञान प्रसारक शिक्षण संस्था के शिक्षकमित्र प्राचार्य बालासाहेब म्हात्रे शैक्षणिक संकुल, पार्कसाइट, स्थित संदेश विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस तथा सनराइज इंग्लिश स्कूल का विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम संकुल के क्रांतीज्योति सावित्रीबाई फुले सभागृह में हाल ही में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया।

विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं शोध वृत्ति विकसित हो, इस उद्देश्य से ह्यविकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के लिए रळएटह्ल इस मुख्य विषयांतर्गत, सामाजिक, पर्यावरण अनुकूल और वर्तमान समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सात उपविषयों पर आधारित इयत्ता तीसरी से बारहवीं के

विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए 50 विज्ञान प्रकल्प इस प्रदर्शनी में साकार किए गए।

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन विद्यालय की प्राचार्या मेघा म्हात्रे की उपस्थित में राजीव गांधी विद्यालय के मुख्याध्यापक अनिल कोल्हे के हस्ते किया गया। इस अवसर पर संदेश विद्यालय झ प्राथमिक विभाग के मुख्याध्यापक पांडुरंग पुरी, संदेश विद्यालयझटागोर नगर की उपमुख्याध्यापिका श्वेता मोहिते, सुनीता मोरे आदि मान्यवर उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के संगीत शिक्षक मनोहर म्हात्रे के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और ह्यविज्ञान युग का स्वागतह्ल प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शिवाजी बोरसेने किया। प्रदर्शनी के प्रवेश द्वार पर विज्ञान विषय पर बनाई गई आकर्षक रंगोली विशेष आकर्षण का केंद्र बनी।

प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए सनराइज इंग्लिश स्कूल की मुख्याध्यापिका फातिमा टोले, संदेश विद्यालय के पर्यवेक्षक प्रवीण झोपे, शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने विशेष मेहनत की। इस प्रदर्शनी को कुल 2150 विद्यार्थियों और 585 पालकों ने भेट देकर प्रकल्पों की प्रशंसा की।

मीरा भायंदर बनेगा फ्री वाईफाई सिटी नए साल में शहर को मिलेंगे डिजिटल पंख परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक

मिरा भाईंदर(उत्तरशक्ति)। निवासियों के लिए नया साल आशा की एक नई किरण लेकर आ रहा है। शहर को डिजिटल भविष्य में छलांग लगाने के लिए तैयार करते हुए, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने एक भव्य घोषणा की है कि मिराझभाईंदर को फ्री वाईफाई सिटी बनाया जाएगा ।ह्व महापालिका भवन में हुई समीक्षा बैठक में जैसे ही यह ऐतिहासिक घोषणा हुई, उपस्थित लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

बैठक की अध्यक्षता मंत्री सरनाईक ने की, जिस में महापालिका आयुक्त राधा बिनोद शर्मा और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री सरनाईक ने कहा मिराझभाईंदर देश में तेजी से प्रगति करने वाला शहर है। पिछले तीन वर्षों में, तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में, यहाँ लगभग १८०० करोड़ रुपये के विकास कार्यों को आकार दिया जा रहा है। वर्तमान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक ऐसे नेतृत्वकर्ता हैं

जो हमेशा नवीन, प्रौद्योगिकी-स्नेही पहलों को प्रोत्साहन देते हैं। उनकी दूरदृष्टि से ही महाराष्ट्र के उभरते शहरों को फ्री वाईफाईह्ल से जोड़ने का महाअभियान शुरू हुआ है। उन्होंने बताया कि मिराझभाईंदर शहर को ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का मुक्त प्रवाह उपलब्ध कराने वाली यह वाईफाई तकनीक प्रगति का एक नया सेतु है। खाड़ी की मनमोहक सुंदरता, राष्ट्रीय उद्यान का सान्निध्य, और अब डिजिटल सुविधाओं का मान-सम्मान! सरनाईक ने विश्वास व्यक्त किया कि शहर के प्राकृतिक रूपरेखा में ह्यफ्री वाईफाईह्ल आधुनिकता का एक नगीना साबित होगा। उन्होंने यह भी कहा, मिराझभाईंदर को एक स्वप्निल, प्रौद्योगिकी-समृद्ध, स्मार्ट सिटी बनाने का हमारा दृढ़ संकल्प है। फ्री वाईफाई उस सपने को साकार करने की दिशा में पहला तेजस्वी चरण होगा। मंत्री सरनाईक ने कहा कि डिजिटल युग की ओर बढ़ाया गया यह कदम शहर की विकास यात्रा को गति देगा, इसमें कोई संदेह नहीं है।

एम .के . जूनियर कॉलेज, चिंचणी में संविधान जागृति प्रश्नमंजूषा 2025 का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के शिक्षा संचालनालय (माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विभाग) के निदेर्शानुसार विद्यार्थियों में भारतीय संविधान की जानकारी एवं उससे जुड़ी जागरूकता बढ़ाने हेतु एम.के. जूनियर कॉलेज, चिंचणी में संविधान जागरूकता प्रश्नमंजूषा - 2025 का आयोजन किया गया।

चिंचणी तारापुर शिक्षा संस्थान के मोतीलाल कानजी कनिष्ठ महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने इस स्पर्धा में उत्साहपूर्वक सहभाग लिया। मराठी, हिंदी एवं अंग्रेजी– तीनों भाषाओं में संविधान के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर आधारित बहुपयार्यी प्रश्न छात्रों द्वारा हल किए

गए। एन.एस.एस. +2 के स्वयंसेवक छात्रों का योगदान विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य सुनील बैसाणे ने स्पर्धा में सहभागी सभी छात्रों का चॉकलेट देकर स्वागत किया तथा संविधान जागरूकता से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन किया। उपप्राचार्या संगीता चुरी ने कार्यक्रम का प्रभावी संचालन किया। पर्यवेक्षक सुरज आष्टेकर एवं दिनकर टेकनर का विशेष सहयोग मिला। कार्यक्रम में प्रा. अविनाश भामरे, प्रा. चारुशीला बहारे तथा एन.एस.एस. +2 कार्यक्रम अधिकारी प्रा. एकनाथ पाटील उपस्थित रहे। संविधान जागरूकता प्रश्नमंजूषा 2025 के समन्वयक प्रा. संजय बहारे रहे।

सीआरजेड-1 क्षेत्र में अवैध निर्माण उजागर, मैंग्रोव सुरक्षा विभाग की त्वरित कार्रवाई, हाई कोर्ट आदेशों का खुला उल्लंघन

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मांडाला-कुर्ला के अत्यंत संवेदनशील सीआरजेड-1 मैंग्रोव क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत पर मैंग्रोव सुरक्षा विभाग ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए साइट निरीक्षण किया। यह कार्रवाई पर्यावरणप्रेमी वली मोहम्मद इसाक (अमजद खान) द्वारा दर्ज की गई शिकायत (आईडी-1531) के आधार पर की गई थी जिसमें सायन-पनवेल हाईवे और घाटकोपर-मानखुर्द लिंक रोड के पास बिना अनुमति एक नए कनेक्टिव ब्रिज के निर्माण की बात सामने आई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस पूरे क्षेत्र में मौजूद आरसीसी सड़क व पुल निर्माण शुरू कर दिया गया है जबकि यह इलाका सीआरजेड-1 घोषित है जहाँ किसी भी प्रकार का नया निर्माण करना पूर्णतः प्रतिबंधित है। वली मोहम्मद का कहना है कि अशोका बिल्डकान लि., अक्षय पिले और जिलानी एर्थ मूवर्स प्रा. लि. जैसी कंपनियाँ बिना सीआरजेड की अनुमति और बिना माननीय बाम्बे हाई कोर्ट की स्वीकृति के इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। यदि इन कंपनियों के पास वैध मंजूरी नहीं पाई जाती है तो यह पूरा प्रोजेक्ट अवैध माना

जाएगा और पर्यावरण संरक्षण कानूनों तथा हाई कोर्ट के आदेशों (पीआईएल 87/2006 और आदेश 3246) का स्पष्ट उल्लंघन साबित होगा। इसी शिकायत के क्रम में 1 दिसंबर 2025 को मैंग्रोव सेल के अधिकारी और तलाठी मंडले की टीम ने सायन-पनवेल हाईवे, मानखुर्द के पास दोबारा साइट निरीक्षण किया। जांच में मैंग्रोव बफर जोन में खंभे गाड़ने की गतिविधि, नए पुल के निर्माण से जुड़ी भारी मशीनरी की मौजूदगी, सड़क की खुदाई और मैंग्रोव क्षेत्र से छेड़छाड़ के संकेत मिले। यह सब हाई कोर्ट के उन आदेशों की अवमानना को दशार्ता है जिनमें मैंग्रोव क्षेत्र को किसी भी प्रकार की क्षति पहुँचाने पर कड़ी मनाही है। वली मोहम्मद इसाक ने मांग की है कि इस पूरे मामले में तत्काल कार्रवाई की जाए और सीआरजेड-1 क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण को तुरंत रोका जाए। उन्होंने कहा कि मैंग्रोव नष्ट करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई जरूरी है क्योंकि यह न केवल पर्यावरण का नुकसान है बल्कि अदालत के आदेशों का भी सीधा उल्लंघन है। उन्होंने संबंधित विभागों, अधिकारियों और जिम्मेदार कंपनियों के खिलाफ त्वरित कानूनी कदम उठाने पर विशेष बल दिया है। पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि मैंग्रोव मुंबई की प्राकृतिक सुरक्षा दीवार हैं और इन्हें नुकसान पहुँचाकर किसी भी प्रकार का निर्माण शहर के पर्यावरण और बाढ़ सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है। मांडाला-कुर्ला का यह मामला एक बार फिर यह स्पष्ट करता है कि हाई कोर्ट के निदेर्शों का कड़ाई से पालन करते हुए मैंग्रोव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व मामलों के निस्तारण में जौनपुर को मिला प्रथम स्थान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र के नेतृत्व में राजस्व विभाग द्वारा राजस्व सम्बन्धी वादों का त्वरित गति से निस्तारण किया जा रहा है जिसके फलस्वरुप राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) द्वारा नवंबर माह की जारी रिपोर्ट में जनपद स्तरीय न्यायालय में राजस्व के मामले के निस्तारण में एक बार फिर जौनपुर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद स्तरीय न्यायालयों में राजस्व वादों के निस्तारण में पिछले 14 माह से जनपद टॉप फाइव जिलों में बना हुआ है।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने बताया कि मा0 मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुसार राजस्व मामलों को निस्तारित किया जा रहा है। बोर्ड ऑफ रेवन्यू की नवंबर माह की राजस्व न्यायालय कंप्यूटरीकृत प्रबंधन प्रणाली (आरसीसीएमएस) की रिपोर्ट के अनुसार जनपद की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के निर्धारित मानक के निस्तारण से अधिक मामलों का निस्तारण किया है।

जनपद जौनपुर की पांच राजस्व न्यायालयों ने बोर्ड के प्रति माह निस्तारण के मानक 250 के सापेक्ष 367 मामलों का निस्तारण किया है। इसका अनुपात 146.80 प्रतिशत है। इसी के साथ जनपदीय न्यायालय में राजस्व मामलों के निस्तारण में प्रदेश में जनपद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

इसी तरह नवंबर में जनपद जौनपुर के जिलाधिकारी न्यायालय ने निर्धारित 30 मामलों के मानक के मुकाबले 68 मामलों का निस्तारण कर 226.67 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की, जो की प्रदेश भर में सबसे अधिक है और जौनपुर प्रदेश भर में पहले स्थान पर है।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट

सभागार में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने बीएलओ और सुपरवाइजर से गणना प्रपत्र वितरण और संग्रहण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और कम प्रगति वाले बीएलओ को निर्देशित किया कि अवशेष गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत वितरण एवं संग्रहण कर डिजिटाइजेशन कराना सुनिश्चित करें, जिससे ससमय विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जा सके।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईआरओ, एईआरओ को निर्देशित किया कि अतिरिक्त कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर गणना प्रपत्र वितरण, संग्रहण और डिजिटाइजेशन कराना सुनिश्चित करें। जिन बूथो पर अपेक्षाकृत कम प्रगति है, वहां पर जिला स्तरीय अधिकारियों को स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सुपरवाइजरों को निर्देशित किया कि बीएलओ का सहयोग करते हुए इस कार्य को पूर्ण कराये। उन्होंने इस कार्य में लगे सभी कार्मिकों से प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी लोग पूरे मनोयोग से कार्य करें।

उन्होंने बताया कि जनपद में लगभग 100 बीएलओ ने शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है और भविष्य में भी इसी प्रकार सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू-राजस्व अजय अम्बष्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी नरेन्द्र सिंह, नगर मजिस्ट्रेट इन्द्र नन्दन सिंह, तहसीलदार सदर, सुपरवाइजर, बीएलओ सहित अन्य उपस्थित रहे।

जौनपुर में बन रहे ऋषि यमदग्नि पार्क के मुख्य अतिथि होंगे केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री: कृपाशंकर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से बुधवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्य मंत्री एवं जौनपुर लोक सभा के पूर्व भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने मुलाकात की। इस मौके पर गडकरी ने मार्च अथवा अप्रैल में किसी तिथि पर जौनपुर में बन रहे ऋषि यमदग्नि पार्क के उद्घाटन के लिए बतौर मुख्य अतिथि आने की सहमति दी। उन्होंने इन नेताओं को आश्वस्त किया कि एनएचआई द्वारा जनपद जौनपुर में चल रही लगभग पांच हजार करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास के लिए जौनपुर में

होने वाले कार्यक्रम में स्वयं उपस्थित रहने का आश्वासन दिया।

सड़क परिवहन मंत्री ने जौनपुर की दो प्रमुख सड़कों मछलीशहर से बरईपार तेजी बाजार कलिंजरा तक जो दो राष्ट्रीय राजमार्ग को जोड़ने का कार्य करता है, एवं प्रयागराज -गोरखपुर मार्ग वाया मुंगराबादशाहपुर सुजानगंज बदलापुर, शाहगंज को चौड़ीकरण करने के लिए, सिंह एवं बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र की मांग पर अपनी तरफ से इसे पूर्ण करने का आश्वासन दिया।

सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विकास की रफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के सहकार से समृद्धि संकल्प को मजबूत करने के उद्देश्य से इंदिरा गांधी सहकारी प्रबंध संस्थान, लखनऊ के तत्वावधान में विकास भवन जौनपुर के सभागार में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें नवगठित बहु उद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों (टढअउर) के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सत्र का संचालन सत्र संयोजक अभिषेक तिवारी द्वारा किया गया, जिन्होंने सहकारिता की भावना, ग्रामीण संसाधनों के उपयोग, आधुनिक व्यवसाय मॉडल, डीपीआर एवं बीपीडी के महत्व पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि यदि समितियाँ पारदर्शी प्रबंधन के साथ नवाचार अपनाएँ तो टढअउर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने वाली सबसे बड़ी शक्ति बन सकती हैं।

कार्यक्रम में विभागीय मार्गदर्शन हेतु सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता विभाग, जौनपुर

बृजेश कुमार पाठक ने सहकारिता की प्रशासनिक प्रणाली, उत्तरदायित्व, सदस्य सहभागिता एवं लेखा संधारण की महत्ता समझाई। साथ ही जिला सहकारी बैंक लि. जौनपुर के सचिव एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी ने समितियों को बैंकिंग सहयोग, ऋण सुविधा, पूंजी निवेश तथा योजना ओं के लाभ हेतु आवश्यक दस्तावेजीकरण पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि सही तरीके से तैयार डीपीआर एवं बीपीडी के माध्यम से समितियाँ बैंक ऋण एवं सरकारी अनुदान योजनाओं का लाभ सरलता से प्राप्त कर सकती हैं।

कार्यक्रम में एडीसीओ रजनीश पांडेय, अंकित काबरा, आशीष कुमार सिंह, एडीओ (सी) भूपेंद्र नाथ सिंह, विपिन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह एवं लेखाकार सुशील मौर्य सहित अन्य उपस्थित रहे। समापन में अभिषेक तिवारी ने सभी अधिकारियों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सहकार से समृद्धि के लक्ष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प दिलाया।

अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी आर्ट सेलिब्रिटी का प्रीमियर 4 दिसंबर को

आर्ट सेलिब्रिटी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भारत से एकमात्र रवीन्द्र कुशवाहा आमंत्रित कलाकार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। आर्ट सेलिब्रिटी अंतर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ज्योतिकृति आर्ट ऑरनाइजेशन के मीडिया प्लेटफॉर्म पर 4 दिसंबर को होगी। यह प्लेटफॉर्म एक इंटरनेशनल शोकेस है जिसमें दुनिया भर के 16 देशों के 25 के विख्यात कलाकार शामिल हैं यह भव्य प्रदर्शनी ज्योति सैनी सिद्दीकी द्वारा क्यूरेट की गई है, जो कल्चरल डायलॉग और क्रिएटिव एक्सचेंज के लिए कमिटेड एक ग्लोबल आर्ट प्लेटफॉर्म की ऑर्गेनाइज़र हैं। यह प्रदर्शनी एशिया, यूरोप, अफ्रीका, नॉर्थ अमेरिका और साउथ अमेरिका जैसे महाद्वीप से आर्टिस्टिक आवाजों को एक साथ लाती है, जिसमें पार्टिसिपेटिंग आर्टिस्ट एंड्रिया स्टैनिक, अलेक्ज़ेंडर मॉटिला, अनामिका शबनम, एंजेल्स एम. पोमाटा, अजनीता एम डी, यूसुफ, बेला अट्टिला माज्को, ब्रूनो लौरेंशे, डालिबोर डाडो सेटकोविक, निकी ली, जुआन मैनुअल अविना कास्टानेडा, ज्योति सैनी सिद्दीकी, लक्की लोहान, मारिजाना वुकोविक, मायरा लिटुआनिया, मीना साद, मिशेल कांज़मी, परिमा हेदरी, रवीन्द्र कुशवाहा, रेगन श्नाइडर, रूबी पेट्रिसिया फेरर, शेरिफ अब्देलकादर, ट्रिना बैचलर, डानिया एगुइरे, मौरेल कोटेंस सिएरा, बोध राज बलोड़ा प्रिज़ेंट कर रहे हैं: जो इंडिया, बांग्लादेश, सिंगापुर, स्पेन, मेक्सिको, ग्वाटेमाला, मिस्र, नाइजीरिया, ईरान, कनाडा, पुर्तगाल, मोंटेनेग्रो, क्रोएशिया, ताइवान, ऑस्ट्रिया, वेनेज़ुएला के 16 देशों के 25 विख्यात कलाकारों की शानदार कलाकृतियां प्रदर्शित होगी।

एण्टीरोमियो टीम ने मिशन शक्ति अभियान के दौरान एक आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सुरेरी एण्टीरोमियो टीम द्वारा मिशन शक्ति अभियान के दौरान 01 आरोपी को किया गया गिरफ्तार। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, आतिश कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ, गिरेन्द्र सिंह के कुशल पर्यवेक्षण में व थाना सुरेरी की एन्टी रोमियो टीम द्वारा मुखबिर की सुचना पर ग्राम जामडीह में राजेन्द्र प्रसाद यादव के घर के पास आने जाने वाली लड़कियों/महिलाओं को देख कर छीटा कसी कर रहा विमलेश यादव पुत्र दिनेश यादव निवासी जामडीह थाना सुरेरी जनपद जौनपुर उम्र करीब 19 वर्ष को कारण गिरफ्तारी बताते हुये थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–167/25 धारा–296 बीएनएस पंजीकृत कर बकायदा बजाप्ता हिरासत पुलिस लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी।

सरपतहाँ पुलिस ने पशु गोतस्कर गैंग लीड़र को किया गिरफ्तार

सरपतहाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा पशु गोतस्कर के गैंग लीडर गैंग नं0-डी-91 के अपराधी को गिरफ्तार कर न्यायालय किया गया चालान। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज अजित सिंह चौहान के निकट पर्यवेक्षण में थाना सरपतहाँ पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक-03.12.2025 को रुधौली थाना क्षेत्र सरपतहाँ से पशु गोतस्कर के गैंग लीड़र गैंग नं0-डी-91 के अपराधी मिथिल पुत्र बंजरगी निवासी रुधौली थाना सरपतहाँ जनपद जौनपुर को शान्ति व्यवस्था भंग होने की प्रबल सम्भावना के दृष्टिगत गिरफ्तार कर चालान अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है।

राष्ट्रीय सेमिनार में डॉ.मनोज तिवारी किए गए सम्मानित

वाराणसी(उत्तरशक्ति) ' जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय, विज्ञान संकाय के माध्यम से नई सुबह इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड बिहेवियरल साइंस वाराणसी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय बच्चों के विकास का मनोविज्ञान विषयक राष्ट्रीय सेमिनार/सतत पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम में वाराणसी के वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक व समाजसेवी डॉ मनोज कुमार तिवारी को नई सुबह संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं देश के जाने-

माने मनोचिकित्सक डॉ अजय तिवारी ने अंग स्वत्र, स्मृति चिन्ह व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। विदित हो डॉ मनोज तिवारी विगत 25 वर्षों से अधिक समय से समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने हेतु सतत रूप से प्रयासरत है, इस क्रम में उन्होंने 12 पुस्तकों के लेखन के साथ-साथ विभिन्न स्थानीय, राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं व समाचार पत्र में 81 लेखों का प्रकाशन किया है। डॉ. तिवारी द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस, पीएसी बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, रेलवे सुरक्षा बल, एनडीआरफ, एनएसएस व एनसीसी कैडेट्स, दिव्यांगजनों, बंदीजनों, गरीब बच्चों व महिलाओं, विद्यार्थी वर्ग तथा अन्य लोगों के लिए सतत रूप से मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श शिविर का निःशुल्क आयोजन किया जाता है। डॉ.तिवारी द्वारा परामर्श व मनोचिकित्सा के माध्यम से न केवल लाखों लोगों का तनाव प्रबंधन किया है बल्कि उन्होंने सैकड़ों लोगों को आत्महत्या करने से बचाया है। इस अवसर पर डॉ मनोज तिवारी ने कहा अपने उत्तरदायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठा पूर्वक निर्वहन करना राष्ट्र सेवा के समान है हमें सदैव समाज उत्थान के लिए प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर आलोक अग्निहोत्री अपर जिला जज हुआ सचिव विधिक सेवा प्राधिकरण वाराणसी, राधा कृष्ण मिश्रा अधीक्षक केंद्रीय कारागार वाराणसी, प्रो राजीव बाटला डिपार्टमेंट ऑफ जिओ फिजिक्स, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, श्रीमती सुनीता तिवारी, अनुराग तिवारी, डॉ. ज्योत्सना सिंह, डॉ. अमित तिवारी, डॉ आरती शुक्ला, अर्पिता मिश्रा, राजीव सिंह देश भर से आए प्रोफेशनल्स, मीडिया कर्मी व गणमान्य लोग उपस्थित रहें। इस अवसर पर डॉ. तिवारी को मनीष कुमार सिंह, डॉ विनीता गुप्ता, श्रीमती शिप्रा, पवन कुशवाहा, राजेश उपाध्याय, अवधेश यादव, आशुतोष सिंह, प्रिंस कुमार मिश्रा, विशेष तिवारी, गौरव पांडेय, शिवम उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में लोगों ने बधाइयाँ दी।

शुभम को भगोड़ा घोषित और रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की तैयारी में कमिश्नरेट पुलिस

दुबई में छिपे होने की है खबर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में अरबों की कोडिन युक्त कफ सिरप तस्करी के आरोपी शुभम जायसवाल को भगोड़ा और रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने की तैयारी में कमिश्नरेट पुलिस लग चुकी है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि भगोड़ा घोषित कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस की ओर से कोर्ट में आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

सोमवार को अभियोजन अधिकारियों से पुलिस आयुक्त ने वार्ता की। शैली ट्रेडर्स के कर्ता धर्ता और 100 करोड़ के अवैध कारोबार के आरोपी शुभम की लोकेशन दुबई में मिली है। दुबई से शुभम के प्रत्यर्पण को लेकर प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी और एनडीपीएस एक्ट में वांछित शुभम की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस की अलग-अलग पांच टीमें काम कर रही हैं। कमिश्नरेट की एसआईटी के अलावा अन्य एजेंसियां भी लगी हुई हैं। सोनभद्र, जौनपुर, वाराणसी, गाजियाबाद, चंदौली समेत अन्य जनपदों में भी शुभम जायसवाल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज है। पिता भोला प्रसाद को सोनभद्र पुलिस ने कोलकाता के दमदम एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था। ट्रांजिट रिमांड पर लेकर एसआईटी भोला से पूछताछ करेगी। भोला भी दुबई भागने के फिराक में एयरपोर्ट पर पहुंचा था। गिरफ्तारी के दौरान भोला ने पुलिस को बताया कि शुभम दुबई में है।

जानें रेड कॉर्नर नोटिस क्या है

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि रेड कॉर्नर नोटिस एक अंतरराष्ट्रीय अनुरोध है, जो इंटरपोल की ओर से दुनिया भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को किसी वांछित का पता लगाने और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करने के लिए, भेजा जाता है। ताकि उसे प्रत्यर्पण या अन्य कानूनी कार्रवाई के लिए प्रत्यर्पित किया जा सके। यह एक अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट नहीं है, बल्कि सदस्य देशों से अनुरोध है कि वे संबंधित व्यक्ति को पकड़ने में मदद करें।

दहेज भारतीय समाज में एक कुरीति और अभिशाप: इंदु सिंह

आइए हम सब मिलकर दहेज रहित आदर्श सामूहिक विवाह को सफल बनाएं: आरिफ हबीब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दहेज भारतीय समाज में एक कुरीति के समान है। दहेज प्रथा ना केवल किसी सभ्य समाज के लिए अभिशाप है, बल्कि यह नारी के दमन का प्रतीक है। उक्त बातें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष इंद्रभान सिंह इंदु ने कही है।

जिलाध्यक्ष इंदु सिंह ने आगे कहा कि दहेज प्रथा ने समाज में स्त्रियों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया है और उन्हें अधिकारहीन बनाया है। इस प्रथा के चलते कई स्थानों पर लड़कियों को बचपन से ही आत्मविश्वास कम होता है और उनमे आत्मनिर्भरता की कमी होती है। यह एक आर्थिक बोझ बनता है जो घरेलु संरचनाओं को भी प्रभावित करता है और समाज में आर्थिक असमानता बढ़ाता है। हमें दहेज रहित विवाह हेतु समाज में जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट के महायज्ञ को सफल बनाए रखना है। ट्रस्ट को जनपद के सम्मानित व्यापारियों, सामाजिक संस्थाओं से पूर्ण सहयोग की अपील करते हैं।

ज़िला उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के ज़िला महामंत्री आरिफ हबीब ने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा बड़ी संख्या में हर तीन वर्ष पर सर्वधर्म सामूहिक विवाह के माध्यम से दहेज रहित आदर्श विवाह का आयोजन समाज में दहेज प्रथा के विपरीत नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का काम किया जा रहा है, इस महा अनुष्ठान की सफलता नारी सम्मान का प्रतीक है। एक छोटी-सी सामाजिक पहल में आपका साथ बहुत मायने रखता है। जेब्रा फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा नगर के मोहम्मद हसन इंटर कॉलेज के ग्राउंड में 07 दिसंबर को समय 11 बजे दिन में आयोजित सर्वधर्म सामूहिक विवाह कार्यक्रम में आप पधारें, यही विनम्र आग्रह एवं अपेक्षा है।

हम सब मिलकर जरूरतमंद बेटियों और परिवारों के लिए खुशियों का अवसर बना रहे हैं। आपकी उपस्थिति से यह कार्यक्रम और भी आलोकित होगा।

कुलपति ने किया परिसर की सेमेस्टर परीक्षाओं का निरीक्षण

महाविद्यालयों को सीसीटीवी ऑन रखने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में चल रही सेमेस्टर परीक्षाओं का मंगलवार को कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने निरीक्षण किया। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिसर स्थित आईबीएम भवन पहुंचकर वहां चल रही परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। परिसर के निरीक्षण के साथ ही, कुलपति ने संबद्ध महाविद्यालयों में चल रही परीक्षाओं की ऑनलाइन निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की।

इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि सभी महाविद्यालय अनिवार्य रूप से परीक्षा के दिशा-निर्देशों का पालन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि परीक्षा के दौरान सभी केंद्र अपने सीसीटीवी कैमरे ऑन रखें, ताकि परीक्षाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि सुचिता पूर्ण परीक्षा संपन्न करने के लिए महाविद्यालयों को समय-समय पर जो भी दिशा निर्देश जारी किए हैं उसका शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति के साथ प्रो. मानस पांडेय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. मुराद अली, डॉ. सुशील कुमार और डॉ. अमरेंद्र सिंह समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

द स्कॉलर्स होम में विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी

बच्चों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच ने जीता सबका मन

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में द स्कॉलर्स होम विद्यालय में आयोजित विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी ने छात्रों की रचनात्मकता, नवाचार और वैज्ञानिक सोच का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करना और उन्हें प्रयोगात्मक शिक्षा से जोड़ना था। कार्यक्रम का शुभारंभ चंदौली के सैयदराजा विधायक सुशील सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में एचपी मौर्य (अवर सचिव, उइए प्रयागराज), विद्यालय की अध्यक्षा नीतू सिंह एवं निदेशक वीरभद्र सिंह उपस्थित रहे। पूर्व निदेशक स्व. अरुण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रदर्शनी में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपने नवाचारपूर्ण मॉडल्स प्रस्तुत किए। बच्चों के वैज्ञानिक मॉडल्स ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया और उनकी सीखने की रुचि स्पष्ट दिखाई दी। कार्बन प्यूरिफिकेशन, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर साइकिल, रोपवे, युमेन सेफ्टी डिवाइस, वेंटिलेशन मॉडल, प्रदूषण नियंत्रण उपकरण, ह्यूमन हार्ट बीट मॉडल, मानव मस्तिष्क संरचना तथा सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस जैसे मॉडल्स प्रदर्शनी के प्रमुख आकर्षण रहे।

मेडिकल कालेज जौनपुर में वार्षिक उत्सव का तीसरा दिन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल के कुशल नेतृत्व में नोडल वार्षिक उत्सव डा० मुदित चौहान एवं डा० पूजा पाठक के द्वारा आज वार्षिक उत्सव के तीसरे दिन अत्यंत उत्साह, सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के तीसरे दिन खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की एक उत्साहपूर्ण श्रृखला देखने को मिली। छात्रों ने अत्यधिक ऊर्जा और जोश के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। दिनभर चले आयोजनों में "प्रमुख रूप से एथलेटिक्स प्रतियोगिताएँ, बैडमिंटन टूर्नामेंट, क्रिकेट मैच एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम-नृत्य संगीत एवं रंगारंग प्रस्तुतियाँ" बड़े ही आनन्दमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। मेडिकल कालेज जौनपुर के वार्षिक उत्सव का यह तीसरा दिन न केवल प्रतिभा प्रदर्शन का मंच बना, बल्कि छात्रों में आपसी समन्वय, खेल भावना और सांस्कृतिक चेतना को भी मजबूत करने वाला साबित हुआ।

कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि समय निकालकर चिकित्सकों ने भी विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी विभिन्न प्रतियोगिताएँ विधार्थियों की प्रतिभा, अनुशासन एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि कॉलेज

सहभागिता ने उत्सव की गरिमा, उत्साह और प्रेरणादायक माहौल को और अधिक ऊँचा किया।

प्रधानाचार्य प्रो० आर०बी० कमल ने अपने संबोधन में कहा कि मेडकल कालेज जौनपुर के छात्र-छात्राएँ इस वार्षिक उत्सव में भाग लेकर न केवल आनंद प्राप्त कर रहे है, बल्कि इसे अपने स्वास्थ्य को चुस्त-दुरुस्त रखने, खेल भावना विकसित करने और सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में भी देख रहे हैं। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि ऐसे कार्यक्रम का आयोजन प्रतिवर्ष और अधिक सुदृढ़ रूप में किया जाए, ताकि किसी भी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर न छूटे। विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ही हमारा मुख्य लक्ष्य है।

प्रधानाचार्य महोदय ने कार्यक्रम के कुशल संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजन समिति, सभी शिक्षकों, कर्मचारियों तथा छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, आप सभी के सहयोग, अनुशासन और शांतिपूर्ण सहभागिता से यह आयोजन प्रतिदिन सफलतापूर्वक संपन्न हो रहा है मैं सभी को हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। और आशा करता हूँ कि आगे कार्यक्रम के शेष दिनों में इससे बेहतर प्रदर्शन देखने को मिलेगा। मेडिकल कालेज प्रशासन ने इस कार्यक्रम की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए भविष्य में और भी उत्कृष्ट कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो० ए०ए० जाफरी, डीन रिसर्च प्रो० रुचिरा सेठी, डीन एकेडमिक प्रो० तबस्सुम यासमीन, स्पोर्ट कमेटी अध्यक्ष, प्रो० उमेश कुमार सरोज, प्रो० भारती यादव, डा० साधना अजय, डा० विनोद कुमार, डा० अरविन्द पटेल, डा० आदर्श कुमार यादव, डा० सी०बी०एस० कर्नल पटेल, डा० अनुज सिंह, डा० सरिता पाण्डेय, डा० राजश्री यादव, डा० स्वाती विश्वकर्मा, डा० अचल सिंह, डा० रोहित कुमार सरोज, डा० चन्द्रभान, डा० आशुतोष सिंह, डा० विनोद वर्मा, डा० अर्चना, डा० अनिल, डा० प्रियंका सिंह, डा० रेनू, डा० बृजेश कन्नौजिया, डा० अजय, डा० पंकज, डा० जयंत शर्मा, डा० संदीप सिंह, डा० दिग्वेश, डा० मतीन अहमद एवं एम०बी०बी०एस० व पैरामेडिकल छात्र/छात्राएँ तथा कर्मचारी उपस्थित रहें।

सेरेंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल 2025 में महाराष्ट्र के कलाकारों ने किया लीड

मुंबई। हर दिसंबर, जब मुंबई साल की आखिरी भागदौड़ से बाहर निकलती है और पुणे अपनी सर्दियों की लय में ढलता है, तो गोवा एक जानी-पहचानी जगह बन जाता है। शांत सुबह, लंबे लंच और समुद्र के किनारे सुकून भरी शामों के लिए एक जगह, लेकिन इस साल, गोवा का समुद्र तट कुछ ज्यादा लेयर्ड, ज्यादा जानदार होने का वादा करता है। सेरेंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल 12-21 दिसंबर 2025 तक वापस आ रहा है, जो दक्षिण एशिया के कल्चरल लैंडस्केप को आकार देने के एक दशक का जश्न मना रहा है, और महाराष्ट्र की क्रिएटिव आवाजें इसके दिल में हैं। इस सफर के बारे में सेरेंडिपिटी आर्ट्स के फाउंडर-पैट्रन सुनील कांत मुंजाल ने बताया कि जब हम सेरेंडिपिटी आर्ट्स के दस साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो हमारा विजन आर्टिस्टिक

एक्सीलेंस, मिलकर खोज करने और कल्चरल एक्सचेंज की भावना पर आधारित है। हर एडिशन के साथ, हमने ऐसी जगहें बनाने की कोशिश की है, जहाँ आर्ट लोगों, जगहों और आइडिया को जोड़े। इस दशक में हमने बहुत बड़ा असर देखा है। गोवा में 300,000 स्क्वायर फीट की जगहों को क्रिएटिविटी के जीते-जागते कैनवस में बदलना, साउथ एशिया के सैकड़ों उभरते आर्टिस्ट को सपोर्ट करना। आज की दुनिया में कल्चर पहले से कहीं ज्यादा जरूरी हो गया है। यह तेजी से बंटती दुनिया में हमदर्दी पैदा करता है, हमदर्द लीडरशिप को बढ़ावा देता है और वह सिखाता है, जो सिर्फ. एजुकेशन नहीं सिखा सकती–दया, सब्र, और कई नजरिए रखने की काबिलियत। जब हम इस दिसंबर में गोवा में अपने अब तक के सबसे बड़े एडिशन की ओर देख रहे हैं, तो हम इस विश्वास पर कायम हैं कि कल्चर कोई लग्जरी नहीं है, यह इंसानी जुड़ाव के लिए जरूरी है और वह धागा है, जो हमारी कलेक्टिव कहानी को बुनता है। इसके अलावा सेरेंडिपिटी आर्ट्स की को-फाउंडिंग पैट्रन सुश्री शेफाली मुंजाल ने बताया कि दस साल पहले हमने एक आसान लेकिन गहरे विश्वास के साथ शुरूआत की थी कि कला में ज़िंदगी बदलने, रिश्ते बनाने और एक ज्यादा हमदर्द दुनिया बनाने की ताकत है। आज, जब हम इस माइलस्टोन का जश्न मना रहे हैं, तो मैं उन हजारों कलाकारों, क्यूरेटर, दर्शकों और पार्टनर्स का शुक्रगुजार हूँ जो इस सफर में हमारे साथ शामिल हुए हैं। सेरेंडिपिटी आर्ट्स एक फेस्टिवल से कहीं ज्यादा बन गया है–यह एक ऐसा मूवमेंट बन गया है, जो सोशल बदलाव के लिए क्रिएटिविटी को एक जरूरी ताकत के तौर पर सपोर्ट करता है। जब हम भविष्य की ओर देखते हैं, तो हमारा कमिटमेंट पक्का है। आर्टिस्टिक आवाजों को बढ़ावा देना, कल्चरल विरासत का सम्मान करना और ऐसी मीनिंगफुल जगहें बनाना, जहाँ कला और इंसानियत मिलें। यह एक दशक की सेरेंडिपिटी और कला की बदलने वाली ताकत का जश्न मनाने के कई और सालों के लिए है। सेरेंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल 2025 के लिए रजिस्ट्रेशन अब लाइव हैं! अपना आर्ट पास पक्का करने, टिकट बुक करने और वर्कशॉप, परफॉर्मेंस, एग्ज़िबिशन वगैरह के बारे में अपडेट रहने के लिए ऑफिशियल फेस्टिवल वेबसाइट पर जाएं। जल्द ही और प्रोग्राम अनाउंस किए जाएंगे, इसलिए अपडेट के लिए चेक करते रहें। 12-21 दिसंबर 2025 तक गोवा में हमसे जुड़ें। अपनी विज़िट प्लान करें और सेरेंडिपिटी आर्ट्स फेस्टिवल के एक दशक का अनुभव करें।

वसई वेस्ट में आयुष्मान भव फ्री हेल्थ चेकअप कैंप सफलतापूर्वक संपन्न

वसई रोड। वसई (पश्चिम) में आयोजित ह्यआयुष्मान भव फ्री हेल्थ चेकअप कैंप उत्साहपूर्ण माहौल में और नागरिकों की भारी उपस्थिति के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ। यह कैंप तेरापंथ भवन, डी.जी. नगर, 60 फीट रोड पर आयोजित किया गया था, जहाँ क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कैंप में निम्नलिखित जांच और सेवाएँ पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। जिसमे ब्लड टेस्ट (शुगर व कोलेस्ट्रॉल), डेंटल चेकअप, ईसीजी, ऑस्टियोपोरोसिस चेकअप, आई चेकअप, इंश्योरेंस गाइडेंस शामिल था। इस स्वास्थ्य पहल का आयोजन भाजपा वसई रोड मंडल के पूर्व सचिव शेमल अजगिया और भावेश गोवारी की पहल पर किया गया था। आयोजकों ने बताया कि समाज के स्वास्थ्य संवर्धन के लिए ऐसी गतिविधियाँ अत्यंत आवश्यक हैं और नागरिकों ने इस कैंप का बेहद सकारात्मक रिस्पॉन्स दिया। कैंप को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सम्मानित डॉक्टरों, मेडिकल स्टाफ, वॉलंटियर्स और इस पहल में शामिल होने वाले नागरिकों का आयोजकों ने हृदय से आभार व्यक्त किया। साथ ही समुदाय की भलाई के लिए भविष्य में भी ऐसे हेल्थ कैंप आयोजित करते रहने का संकल्प जताया गया।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर और मोटोरोला इंडिया ने की साझेदारी

मुंबई। भारत के घरेलू एंड्रॉइड ऐप मार्केटप्लेस, इंडस ऐपस्टोर ने आज मोटोरोला के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के बाद, भारत में मोटोरोला के डिवाइसेस पर इंडस ऐपस्टोर उपलब्ध होगा। इससे इंडस ऐपस्टोर पहले से ज्यादा डिवाइसेस पर उपलब्ध हो पाएगा और भारत में मोटोरोला के यूजर्स को पर्सनलाइज्ड ऐप डिस्कवरी अनुभव मिल सके।

इंडस ऐपस्टोर, भारतीय ग्राहकों को ऐप की दुनिया में एक बेहतर विकल्प देता है। इसे विशेष रूप से यूजर्स की पसंद और देश की विविध संस्कृति को ध्यान में रखकर बनाया गया है। हर भारतीय स्मार्टफोन यूजर तक पहुँचने के लिए, यह प्लेटफॉर्म अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य 12 भाषाओं में अपनी सुविधाएँ उपलब्ध कराता है। इसमें अक-पावर्ड वॉयस सर्च भी है, जिससे यूजर को क्षेत्रीय भाषा के कठिन शब्द टाइप नहीं करने पड़ते। इसके साथ ही, वीडियो प्रीव्यू की सुविधा यूजर्स को किसी ऐप को डाउनलोड करने से पहले उसके फंक्शन को विजुअली एक्सपीरियंस करने का मौका देती है। इंडस ऐपस्टोर अपनी बेहतरीन ऐप स्टोर नीतियों के कारण, भारत के डेवलपर्स और ऐप्स के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करता है। यह वितरण के लिए केवल एक ही स्रोत पर निर्भरता को कम करता है और जिससे बाजार में एक मजबूत और प्रतिस्पर्धात्मक विकल्प सामने आता है।

यह कदम न केवल बड़ी संख्या में स्थानीय डेवलपर्स को सशक्त और सक्षम बनाएगा, बल्कि भारतीय डेवलपर इकोसिस्टम को वैश्विक मंच पर सफल होने के लिए बढ़ावा भी देगा। इंडस ऐपस्टोर की चीफ बिजनेस ऑफिसर, प्रिया एम. नरसिम्हन ने इस महत्वपूर्ण प्रगति पर उत्साह के साथ कहा, हमें मोटोरोला के साथ साझेदारी करके बहुत खुशी हो रही है, इसके माध्यम से हम अधिक से अधिक भारतीयों को इंडस ऐपस्टोर का अनुभव आसानी से उपलब्ध करा पाएंगे। यह साझेदारी पूरे भारतीय बाजार की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है। उन्होंने आगे कहा, यह ऐप स्टोर सही मायने में 'मेड-फॉर-इंडिया' की भावना को दशार्ता है और भारतीय ऐप अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। यह सहयोग हमारे उस लक्ष्य को बल देता है कि हम भारतीयों को एक ऐसा बेहतरीन विकल्प दें, जहाँ वे सहजता से अपने क्षेत्र के हिसाब से ऐप्स को ढूँढ सकें और डाउनलोड कर पाएँ।

मोटोरोला मोबिलिटी इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, टी. एम. नरसिम्हन ने भी अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, मोटोरोला में, हमने हमेशा भारत में अपने यूजर्स को एक उत्कृष्ट और उनके क्षेत्र के हिसाब से अनुभव देने को प्राथमिकता दी है और इंडस ऐपस्टोर हमारे इस दृष्टिकोण पर पूरी तरह से खरा उतरता है। इस स्वदेशी प्लेटफॉर्म को एकीकृत करके, हम यूजर्स को एक नया माध्यम प्रदान कर रहे हैं जो उनको अपनी संस्कृति के हिसाब से ऐप खोजने का विकल्प देकर उनके अनुभव को बेहतर बनाता है। इस साझेदारी से भारतीय डेवलपर्स को भी लाभ होगा। इस सहयोग से एक और बड़ा लाभ यह है कि इंडस ऐपस्टोर का विशिष्ट वितरण मॉडल, भारतीय डेवलपर्स को उनके सही यूजर्स को जोड़ेगा।

वर्ल्ड डिसेबल्ड डे पर नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा विशेष स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम संपन्न

विरार। वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के उपलक्ष्य में नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा स्वानंद सेवा सदन, प्रभात कॉलोनी, फैक्ट्री पाड़ा, अनार्ला, विरार (वेस्ट) में दृष्टिबाधित भाइयों के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को मेनस्ट्रीम में लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं। विधायक पंडित ने आयोजकों के साथ सहभागियों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कौशलों के माध्यम से सशक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर दिव्यांग एम्पावरमेंट ऑफिसर, ज़िला परिषद पालघर डॉ. प्रकाश हंसलकर, अनार्ला के सरपंच नंदकुमार घरात, और एन. एम. बुधरानी ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रकाश बोरगांवकर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए किए जा रहे ऐसे आयोजन को समाज में समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यदि आप चाहें, तो मैं इस समाचार को मीडिया रिलीज, सोशल मीडिया पोस्ट, या शॉर्ट हेडलाइन के रूप में भी तैयार कर सकता हूँ।

वर्ल्ड डिसेबल्ड डे पर नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा विशेष स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम संपन्न

विरार। वर्ल्ड डिसेबल्ड डे के उपलक्ष्य में नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा स्वानंद सेवा सदन, प्रभात कॉलोनी, फैक्ट्री पाड़ा, अनार्ला, विरार (वेस्ट) में दृष्टिबाधित भाइयों के लिए विशेष स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना और उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने फाउंडेशन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग को मेनस्ट्रीम में लाने के लिए ऐसे कार्यक्रम बेहद आवश्यक हैं। विधायक पंडित ने आयोजकों के साथ सहभागियों से संवाद किया और उन्हें विभिन्न कौशलों के माध्यम से सशक्त बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर दिव्यांग एम्पावरमेंट ऑफिसर, ज़िला परिषद पालघर डॉ. प्रकाश हंसलकर, अनार्ला के सरपंच नंदकुमार घरात, और एन. एम. बुधरानी ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रकाश बोरगांवकर भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पदाधिकारी और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। नूतन गुलगुले फाउंडेशन द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों के लिए किए जा रहे ऐसे आयोजन को समाज में समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मंत्री गणेश नाईक और डॉ. हेमंत सांवरा की उपस्थिती में पब्लिक बैठक संपन्न

पालघर। जव्हार वाडा में मेयर उम्मीदवार पूजा कुणाल उदावंत के चुनाव प्रचार के तहत आयोजित भव्य पब्लिक बैठक आज जबरदस्त उत्साह और भारी संख्या में जुटी जनता की मौजूदगी में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कार्यक्रम में पालघर जिले के गार्डियन मिनिस्टर एवं फॉरेस्ट मिनिस्टर गणेश नाईक तथा पालघर के खासदार डॉ. हेमंत सांवरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने मंच से पूजा उदावंत के नेतृत्व और उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए उन्हें आगे की दिशा में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उनकी मौजूदगी से कार्यक्रम में उत्साह दोगुना हो गया और सभा स्थल पर मौजूद लोगों में जबरदस्त जोश देखने को मिला। मेयर कैंडिडेट पूजा उदावंत को जनता से मिल रहा समर्थन जव्हार शहर के विकास की नई शुरूआत का संकेत है, ऐसा डॉ. सांवरा ने अपने संबोधन में कहा। उन्होंने बताया कि पूजा उदावंत जैसी संवेदनशील, समझदार और सक्षम नेता के हाथों में शहर का भविष्य सुरक्षित और प्रगति की दिशा में आगे बढ़ने वाला है। इस बड़ी और सफल पब्लिक मीटिंग के साथ पूजा उदावंत के चुनाव अभियान में नई ऊर्जा और गति देखने को मिली।

सुबोधानंद जी महाराज ने बिजेंद्र सिंह को जन्मदिन पर बधाई दी

नालासोपारा (उत्तर शक्ति)। सुबोधानंद जी महाराज (साधक) ने समाजसेवी बिजेंद्र सिंह को बधाई देते हुए कहा कि आप वसई तालुका की धर्मझ्रध्वजा हैं, आपके व्यक्तित्व में एक ऐसा अद्भुत आकर्षण है जो सबको सहज ही अपने साथ जोड़ लेता है। विगत दिनों की राजनीतिक हलचल के बीच जब आपका नाम भावी प्रत्याशी के रूप में गूंजा, तो मानो एक नवचेतना का उदय होता प्रतीत हुआ। आज के परिप्रेक्ष्य में, व्यक्तिगत रूप से मेरा अनुभव यह रहा कि राजनीति एक दो धारियों वाली तलवार है। यह संघर्ष मांगती है, धैर्य मांगती है, दूरदृष्टि मांगती है और मांगती है वह तेवर, जो प्रतिद्वंद्वी को मजबूर कर दे, और प्रभाव ऐसा कि अधिकारी से लेकर अपराधी तक, कोई भी आपके संकल्पों से टकराने में स्वयं को असमर्थ पाए। जनता भी समय - समय पर ऐसे ही धर्म झ्र योद्धाओं को अपना मत देकर

अपना सर्वस्व समर्पित करती आई है। वसई तालुका की सियासत की बगिया में आप वह अनमोल गुलाब हैं! जो चाहने वालों के लिए महक, अपनापन और सुंदर एहसास बनकर रहता है, तो नापसंद करने वालों के लिए कांटे-सी चुभन भी देता है, लेकिन फिर भी सर्वमान्य, सहज-स्वीकार्य और निष्कलंक निष्ठा के साथ अपने मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने वाला। आपके भीतर जितनी गंभीरता, उतनी ही सादगी विचारों में वही सहजता, आचरण में वही पारिवारिक संस्कार और विनम्रता ऐसी कि एक-दो मुलाकातों में ही हर किसी को अपना बना लें। आपकी सौम्यता, शालीनता और सरलता आपको वसई तालुका का आध्यात्मिक एवं सियासी कोहिनूर बनाती है। आप यूँ ही तरक्की के मार्ग पर अग्रसर रहें,उन्नति की नई ऊँचाइयाँ छुएँ, मंज़िल पर आपकी दृष्टि सदैव अटल रहे । हमारी हार्दिक शुभकामनाएँ और आशीर्वाद हमेशा आपके साथ हैं।

बस की चपेट में आने से महिला की मौत

अमिलो (आजमगढ़)। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के हरैया चट्टी के पास आजमगढ़झ्रमऊ मुख्य मार्ग पर मंगलवार दोपहर लगभग दो बजे हादसा हुआ। रोडवेज बस की चपेट में आने से लालमुन्नी (50) की मौत हो गई। इससे नाराज परिजनों और ग्रामीणों ने आजमगढ़-मऊ मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। इसी बीच सुधाकर सिंह के यहां अंगना करने जा रहे सपा प्रमुख अखिलेश यादव वहां पहुंचे। वह भी जाम में लगभग एक घंटे फंसे रहे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की। प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने पर करीब एक किमी लंबा जाम एक घंटे बाद समाप्त हुआ। जहानागंज थाना क्षेत्र के बस्ती गांव निवासी लालमुन्नी मंगलवार को दवा लेने के लिए बाजार जा रही थीं। इस दौरान हरैया चट्टी के पास आजमगढ़झ्रमऊ मुख्य मार्ग पर तेज रफ्तार रोडवेज बस ने उन्हें चपेट में ले लिया ।

शैलेश मिश्रा संग एकता मिश्र परिणय-सूत्र में बंधी

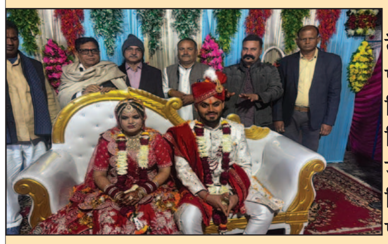

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा अपने भतीजे शैलेश मिश्रा के शुभ विवाह में उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर, विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर ग्राम रोहियांव के निवासी अपने चचेरे भाई रमापति हिराराम मिश्रा के सुपुत्र के शुभ विवाह दिनांक 30 नवंबर 2025 दिन रविवार को विभवकांत मिश्रा ग्राम भिऊरा, पोस्ट सैदाबाद जनपद प्रयागराज में विभवकांत मिश्रा की सुपुत्री एकता के साथ संपन्न हुआ। उस शुभ अवसर पर दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ रामलखन मिश्रा, शिक्षक प्रेम शंकर मिश्रा, पिता रमापति मिश्रा, बड़े पापा उमाशंकर मिश्र, काका सभापति मिश्रा, विजय चंद मिश्रा, पूर्व प्रधान महाजन यादव, समाजसेवी संतोष सिंह, संतोष मिश्रा, फूफा शेष राज तिवारी, रमाकांत द्विवेदी, भाई योगेश मिश्रा, आलोक मिश्रा (आशु), अभिषेक मिश्रा (प्रिंश), दिपक मिश्रा, सूरज तिवारी, मालिक तिवारी तिवारी सहित बड़ी गणमान्य लोग उपस्थित हो कर रमापति मिश्रा सुपुत्र के शुभ विवाह में उपस्थित होकर वर-वधू को आशीर्वाद प्रदान किया।

भारतीय जनता पार्टी ने कार्यक्रम आयोजित किया

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रवींद्र दादा चव्हाण की उपस्थिति में आज बहुजन विकास आघाडी के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भाजपा में औपचारिक रूप से प्रवेश किया। यह कार्यक्रम मुंबई के नरिमन पॉइंट स्थित प्रदेश कार्यालय में आयोजित किया गया। नालासोपारा के विधायक राजन नाईक के मार्गदर्शन तथा भाजपा-विरार जिलाध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल के नेतृत्व में शामिल हुए नेताओं में पूर्व पार्षद राजेश घोणे, सुषमा दिवेकर, एडवोकेट माया चौधरी, कल्पक पाटिल, ज्योति राउत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे। इस अवसर पर जिल्हा महामंत्री मनोज बारोट ने भाजपा में शामिल हुए सभी नए कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इतने बड़े स्तर पर लोगों का भाजपा में शामिल होना यह दर्शाता है कि पार्टी के विकास कार्यों और नेतृत्व पर जनविश्वास लगातार मजबूत हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान रवींद्र चव्हाण ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें संगठन मजबूत करने और जनता के बीच पार्टी की विचारधारा एवं योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया।

सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय में थामा बिजेपी का दामन

वसई/बोईसर। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित भव्य कार्यक्रम में वसई और बोईसर विधानसभा क्षेत्रों के विभिन्न दलों से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में आधिकारिक रूप से शामिल हुए इन कार्यकर्ताओं का विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, तथा बिजेपी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र दादा चव्हाण के गतिशील नेतृत्व पर भरोसा करते हुए बड़ी संख्या में लोग पार्टी की विचारधारा से जुड़ रहे हैं। विधायक पंडित ने नए सदस्यों से राष्ट्रहित, समाजसेवा और संगठन के सिद्धांतों के प्रति समर्पित रहने की अपील की।

कार्यक्रम में बिजेपी महाराष्ट्र केरल सेल के संयोजक उत्तम कुमार, बिजेपी वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, वरिष्ठ नेता शेखर दादा धुरी, शाम भाऊ पाटकर, बिजेपी कामगार आघाड़ी के जिला अध्यक्ष सिद्धेश तावड़े, माइनॉरिटी फ्रंट के जिला अध्यक्ष मैथ्यू कोलासो, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष ज्योत्सना मेहर, जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, कपिल म्हात्रे, जिला सचिव नंदकुमार महाजन, प्रवीण गावड़े, वसई सिटी बोर्ड अध्यक्ष गीतांजलि दरीवाला, वसई ईस्टइसलाम बोर्ड अध्यक्ष उदय शेट्टी, वसई वेस्ट बोर्ड अध्यक्ष आशीष जोशी, वालिव बोर्ड अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे, वसई रोड बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी दीपक शर्मा तथा पूर्व कॉर्पोरेटर छोटू आनंद सहित कई पदाधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे। विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि नए कार्यकर्ताओं का पार्टी में स्वतः जुड़ना संगठन की मजबूती का प्रमाण है और इससे वसई क्षेत्र की विकास यात्रा को नई ऊर्जा मिल रही है।

अर्श, भगंदर व फिशर रोगियों को चिकित्सा व परामर्श सेवा प्रदान की गई

झुंझुनूं। आयुर्वेद विभाग द्वारा अर्श, भगंदर एवं फिशर जैसे गुदा रोगों से पीड़ित मरीजों के लिए विशेष चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर नवरंग राम दयानंद डूकिया नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल मलसीसर रोड, झुंझुनूं में प्रस्तावित 10 दिवसीय आयुर्वेदिक क्षारसूत्र चिकित्सा शिविर की पूर्व तैयारियों के तहत आयोजित हुआ। मंगलवार को बी.डी.के. आयुर्वेद विंग, झुंझुनूं में आयोजित इस शिविर में रोगियों की आवश्यक स्वास्थ्य जांचें की गईं एवं उन्हें क्षारसूत्र चिकित्सा हेतु रजिस्ट्रेशन की सुविधा दी गई। शिविर के प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में कुल 87 रोगियों को परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया, जिनमें से 42 रोगियों का पंजीकरण आगामी 15 दिसंबर से प्रारंभ होने वाले विशेष ऑपरेशन कैंप के लिए किया गया। इस अवसर पर डॉ. महेश माटोलिया, डॉ.मोनिका शर्मा, नर्स महरबानी, कनिष्ठ नर्स कमलेश व पूनम बाई ने सेवाएं प्रदान कीं। साथ ही दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। गौरतलब है कि इस प्रकार के स्क्रीनिंग शिविर हर ब्लॉक स्तर पर विभिन्न तिथियों में आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिकतम रोगियों को आयुर्वेद की परंपरागत और प्रभावी चिकित्सा पद्धति का लाभ मिल सके।

यमुना स्मारक इंटर कॉलेज में सम्मान समारोह सम्पन्न

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। यमुना स्मारक इंटर कॉलेज मनिहा सिंहपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेधावी छात्रछात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर ब्लॉक प्रमुख डॉ. कैलाश यादव रहे, जिन्होंने राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव और उनकी भतीजी का सम्मान करते हुए बच्चों को उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर डॉ. कैलाश यादव ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस अवसर और प्रोत्साहन मिलने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों और शिक्षकों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया। उत्तर यादव युवा संघ की ओर से तथा सभी स्वजातीय बंधुओं की तरफ से ब्लॉक प्रमुख डॉ. कैलाश यादव को उनके निरंतर सामाजिक और शैक्षिक योगदान के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

सड़क सुरक्षा के प्रति छात्रों को किया गया जागरूक

पटना। संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल, नासरीगंज, दीघा, पटना में को सड़क सुरक्षा के प्रति छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। यह कार्यक्रम मिशन रोड सेफ्टी, जिला परिवहन कार्यालय, पटना एवं संत डोमिनिक सेवियोज हाई स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में मिशन रोड सेफ्टी के विशेषज्ञ अमित कुमार ने बच्चों के लिए सुरक्षित आवागमन के तरीके, रक्षात्मक ड्राइविंग जागरूकता और स्कूल बस, साइकिल, पैदल या माता-पिता के साथ यात्रा करते समय जिम्मेदार आचरण पर ध्यान केंद्रित किया, और छात्रों को सुरक्षित ड्राइविंग और यातायात अनुशासन के महत्व पर जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपेंद्र पाल (डीटीओ, पटना), पिंकू कुमार (एडीटीओ, पटना) एवं ललित मोहन (डीएसपी ट्राफिक, पटना) ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को जीवन रक्षा का संकल्प बताया और युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या ग्लेण्डा गॉस्टन ने कहा सड़क सुरक्षा केवल नियमों के अनुपालन का विषय नहीं है, बल्कि यह जीवन के मूल्यांकन और सामाजिक उत्तरदायित्व की पहचान है।

Ismail Dental Hospital
इस्माईल डेन्टल हास्पिटल
दांत का अस्पताल
New Year 2025 Offer
निःशुल्क परामर्श
निःशुल्क एक्स–रे
नकली दांत पर 20% की छूट
दांत की सफाई पर 50% की छूट
यह छूट जनवरी माह तक ही मान्य है।
डा. शाहनवाज़ इस्माईल — Dental Surgeon, Cert. Orthodontist Cert. Endodontist, Regd. 12973
डॉ. शहला मुसर्रत — Dental Surgeon, B.Sc. Biotech, B.D.S. (Lko), Regd. 12972
Call: 9044644776, 9580978774
क्लीनिक-1 सिपाह नीचे वाली रोड पर, जौनपुर
क्लीनिक-2 शाप नं0 11, इस्माईल काम्पलैक्स, शेखवाड़ा, जफराबाद, जौनपुर

NOBLE HOSPITAL AND RESEARCH CENTRE
नोबल हॉस्पिटल & रिसर्च सेन्टर
نوبل ہاسپیٹل اینڈ ریسرچ سنٹر
डा. शारिक नदीम — M.B.B.S., MD, FICC (Cardiology), फिजिशियन, हृदय एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डा. अभिजीत कुमार — M.B.B.S., M.I.M.A, जनरल फिजिशियन
डा0 इरफान अहमद — B.U.M.S.CCH (Indore), N.D.E.P.C.
Helpline- 6307493268
◆ शुगर की जाँच ◆ HbA1c की जाँच ◆ हड्डी की जाँच (BMD) ◆ नस की जाँच (Neuropathy)
◆ फेफड़ों की जाँच (Spirometry) ◆ यूरिक एसिड ◆ कोलेस्ट्राल की जाँच ◆ थायराइड की जाँच
आजमगढ़ रोड, निकट- सेण्ट पैट्रिक स्कूल, पचहटियाँ, जौनपुर- 222001